RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 335 ता. 17 जून 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कानूनी छूट खत्म होने के बाद ट्विटर पर FIR दर्ज करने वाला पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

नए IT नियमों का पालन न करने पर ट्विटर को लेकर सरकार ने दिखाई सख्ती, भारत में गंवाया कानूनी सुरक्षा का आधार

नई दिल्ली। नए आईटी नियमों का पालन न करना ट्विटर को भारी पड़ गया है। जानकारी मिली है कि भारत में अब ट्विटर ने कानूनी सुरक्षा का आधार गंवा दिया है। ट्विटर की ओर से 25 मई से लागू हुए आईटी नियमों का अनुपालन अब तक नहीं किया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ यह ऐक्शन लिया गया है। यानी ट्विटर पर भी अब आईपीसी के तहत मामले दर्ज हो सकेंगे और पुलिस पूछताछ भी कर सकेगी। ट्विटर पर यह सख्ती ऐसे समय में हुई है जब एक वायरल वीडियो के संबंध में उसपर गाजियाबाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। माना जा रहा है कि अब इस मामले को लेकर ट्विटर पर कानूनी ऐक्शन लिया जा सकता है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि ट्विटर के खिलाफ 26 मई के बाद दर्ज किए गए किसी भी मामले में उसे कानूनी सुरक्षा नहीं मिलेगी। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि अब ट्विटर के खिलाफ किसी भी गैर-कानूनी सामग्री को लेकर भारतीय दंड संहिता के तहत ऐक्शन लिया जा सकता है। इस कदम के बाद ही ट्विटर अब अकेला ऐसा अमेरिकी प्लेटफॉर्म है जिससे आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत मिलने वाला यह कानूनी संरक्षण वापस ले लिया गया है, जबकि गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम जैसे अन्य प्लेटफॉर्म के पास अभी भी यह सुरक्षा है। इससे पहले मंगलवार को ट्विटर ने कहा था कि उसने भारत के लिए अंतरिम मुख्य अनुपालन अधिकारी नियुक्त कर लिया है। जल्द ही अधिकारी का ब्योरा सीधे सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझा किया जाएगा। सरकार ने ट्विटर को दिए एक नोटिस में कहा था कि उसे नियमों के अनुपालन का आखिरी मौका दिया जाता है। उसे तत्काल नियमों का अनुपालन करना है। यदि वह इसमें विफल रहती है, तो उसे आईटी कानून के तहत दायित्व से जो छूट मिली है, वह वापस ले ली जाएगी। इसके साथ ही उसे आईटी कानून और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा।

नई दिल्ली। नए आईटी नियमों का पालन न करने को लेकर ट्विटर पर भारत की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। अब ट्विटर से भारतीय आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत मिली कानूनी कार्रवाई से छूट को खत्म कर दिया गया है। कानूनी संरक्षण खत्म होते ही उत्तर प्रदेश ट्विटर के खिलाफ फेक न्यूज को लेकर केस दर्ज करने वाला पहला राज्य बन गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, 26 मई से ट्विटर को मिली कानूनी छूट खत्म हो चुकी है। सरकार ने पहले ही ट्विटर को यह चेताया था कि अगर उसने नए आईटी नियमों का पालन नहीं किया तो उसे आईटी कानून के तहत दायित्व से जो छूट मिली है, वह वापस ले ली जाएगी। इसके साथ ही उसे आईटी कानून और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा।

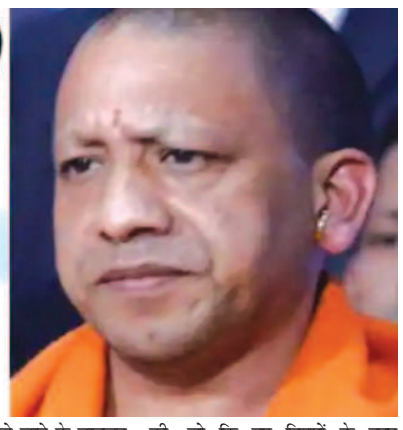

इससे पहले मंगलवार को ट्विटर ने कहा था कि उसने भारत के लिए अंतरिम मुख्य अनुपालन अधिकारी नियुक्त कर लिया है। जल्द ही अधिकारी का ब्योरा सीधे सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझा किया जाएगा। नए आईटी नियम 25 मई, 2021 से लागू हो चुके हैं, लेकिन ट्विटर ही एक ऐसा अकेला टेक प्लेटफॉर्म है जिसने सरकार की तरफ से कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद इन नियमों का पालन नहीं किया है।

बता दें कि नए नियमों का पालन 25 मई तक करना था लेकिन बार-बार नोटिस मिलने के बावजूद ट्विटर ने वैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति नहीं की, जो कि नए नियमों के तहत अनिवार्य था। आईटी एक्ट की धारा 79 अभी तक ट्विटर को किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से छूट देती थी। हालांकि, अब यह सुरक्षा खत्म होने के बाद यदि कोई यूजर गैर-कानूनी या भड़काऊ पोस्ट करता है तो इस मामले में ट्विटर से भी पुलिस पूछताछ कर सकती है।

गाजियाबाद पुलिस ने क्यों दर्ज किया केस?

उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने एक बुजुर्ग के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिनमें से एक ट्विटर इंडिया भी है। इन सभी पर घटना को गलत तरीके से सांप्रदायिक रंग देने की वजह से यह ऐक्शन लिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक बुजुर्ग मुस्लिम को पीटा गया और उसकी दाढ़ी काट दी गई। गाजियाबाद पुलिस के मुताबिक, ट्विटर ने वीडियो को वायरल होने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

पुलिस के मुताबिक इस मामले की सच्चाई कुछ और है। पीड़ित बुजुर्ग ने आरोपी को कुछ ताबीज दिए थे जिनके परिणाम न मिलने पर नाराज आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया। लेकिन ट्विटर ने इस वीडियो को मैन्युप्युलेटेड मीडिया का टैग नहीं दिया। पुलिस ने यह भी बताया कि पीड़ित ने अपनी खद्धकमें जय श्री राम के नारे लगवाने और दाढ़ी काटने की बात दर्ज नहीं कराई है।

इससे पहले मंगलवार को ट्विटर ने कहा था कि उसने भारत के लिए अंतरिम मुख्य अनुपालन अधिकारी नियुक्त कर लिया है। जल्द ही अधिकारी का ब्योरा सीधे सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझा किया जाएगा। नए आईटी नियम 25 मई, 2021 से लागू हो चुके हैं, लेकिन ट्विटर ही एक ऐसा अकेला टेक प्लेटफॉर्म है जिसने सरकार की तरफ से कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद इन नियमों का पालन नहीं किया है।

दिल्ली में अभी पड़ेगी गर्मी की मार, मॉनसून के लिए और लंबा हुआ इंतजार

नई दिल्ली। देश के पूर्वी हिस्से में लगातार बारिश जारी है और मॉनसून आगे बढ़ते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश तक आ गया है। इसके बाद अगले एक से दो दिन में ही दिल्ली पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही थी, जिसके लिए 15 जून का अनुमान लगाया गया था। लेकिन अब तक दिल्ली में मॉनसून ने दस्तक नहीं दी है। यही नहीं मौसम विभाग ने अब अपने अनुमान में तब्दीली करते हुए दिल्ली में मॉनसून के 7 से 10 दिन तक की देरी से आने की बात कही है। इसका अर्थ यह हुआ कि इस सप्ताह भी दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों को झुलसती गर्मी और उमस झेलनी पड़ेगी। मौसम विभाग के रीजनल फोरकास्ट सेंटर के हेड कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, हम अब मॉनसून के आने में 7 से 10 दिन की देरी का अनुमान लगा रहे हैं। फिलहाल पश्चिम यूपी में मॉनसून की कोई एक्टिविटी नहीं दिख रही है। यह क्षेत्र हवा के कम दबाव वाला है। इसके चलते पूर्व से आने वाली हवा प्रभावित हो रही है। फिलहाल मॉनसून की हवाएं ईस्ट यूपी तक ही पहुंच रही हैं। हम अगले 7 से 10 दिनों में उत्तर पश्चिम भारत में किसी तरह की प्रोग्रेस नहीं देख रहे हैं। हालांकि आंधी जैसी स्थिति कई बार देखने को मिल सकती है, लेकिन नमी कम ही रहेगी। बीते सप्ताह मॉनसून की तेज गति को देखते हुए मौसम विभाग ने 12 से 15 जून के बीच दिल्ली में बारिश का अनुमान जताया था।

इससे गर्मी से निजात मिलने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन राजधानी और उसके आसपास के इलाके में बदरा रूठे ही रहे। दिल्ली में मॉनसून आमतौर पर 27 जून तक पहुंचता है। ऐसे में अब एक बार फिर से दिल्ली-एनसीआर के लिए बारिश का इंतजार बढ़ गया है। बता दें कि बीते कई दिनों से दिल्ली में गर्मी और उमस बनी हुई है। कई बार छिटपुट बारिश और आंधी भले ही आई है, लेकिन अब तक कोई लंबा सेशन देखने को नहीं मिला है।

रेप के बाद किया मर्डर, फिर आत्महत्या दिखाने के लिए पेड़ से लटकाए शव

सुलझा नाबालिगों की मौत का मामला

नई दिल्ली। असम के कोकराझार जिले में पिछले शनिवार को पेड़ से दो नाबालिग लड़कियों लाश लटकी हुई मिली थी।असम पुलिस ने अब दावा किया है कि उसने नाबालिगों की रहस्मयी मौत के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने बताया, उनके साथ बलात्कार किया गया, फिर उनकी हत्या कर दी गई और इसे आत्महत्या की तरह दिखाने के लिए उनके शवों को पेड़ से लटका दिया गया।÷ इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कोकराझार के एसपी प्रतीक विजय कुमार थुबे ने कहा, ÷हमने मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनमें से तीन ने नाबालिगों के साथ बलात्कार किया था और उन्हें मारने के बाद पेड़ पर लटका दिया था। उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है। रविवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था और 72 घंटों के भीतर हमने मामले को सुलझा लिया है।÷

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी ट्विटर पर आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी दी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा, दो नाबालिग आदिवासी लड़कियों के बलात्कार और हत्या को सुलझा लिया गया है। @lrbishnoiassam, IGP, BTR ने मुझे जांच के परिणाम के बारे में बताया। मैंने रविवार को उनके घर का दौरा किया था। यह जानकर बहुत संतुष्टि हो रही है कि अपराधियों की पहचान कर ली गई

पुलिस ने शनिवार को बताया था कि असम के कोकराझार जिले के एक दूरदराज गांव में 16 और 14 साल की दो नाबालिगों के शव पेड़ से लटके पाए गए। मुख्यमंत्री रविवार को दो नाबालिग बच्चियों के घर गए थे और परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था. दोनों नाबालिग एक ही परिवार की थी।

अब हिमाचल में बीजेपी ने विधायकों से मांगी कामकाज की रिपोर्ट

चुनाव से पहले केस जा रहे पेच

शिमला। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बैठकों का दौर शुरू होने के बाद अब बीजेपी ने हिमाचल पर भी फोकस बढ़ाया है। इस पहाड़ी राज्य में अगले साल चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले पार्टी सरकार और संगठन के सभी पेच कस लेना चाहती हैं। यही वजह है कि पार्टी ने अपने सभी विधायकों से सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट मंगाई है। पार्टी के अब तक के शासनकाल के दौरान क्षेत्र में उनका काम कैसा रहा है। इस संबंध में रिपोर्ट तलब की गई है। विधायकों के अलावा चुनाव में हार गए प्रत्याशियों से भी रिपोर्ट तलब की गई है और पूछा गया है कि इस दौरान आपने अपने इलाके में कितने और कैसे काम किए। हिमाचल प्रदेश में अगले साल के अंत तक चुनवा होने हैं। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में दो विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिहाज से भी यह रिपोर्ट्स अहम रहेंगी। फिलहाल पार्टी मंडी लोकसभा और जुब्बल-कोटखाई एवं फतेहपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी में जुटी है। मंगलवार को बीजेपी के कोर ग्रुप की मीटिंग हुई थी और इस दौरान उपचुनाव एवं अगले साल होने वाले चुनाव में मिशन रिपीट को लेकर चर्चा की गई। पार्टी की ओर से तीन दिनों के लिए मीटिंग बुलाई गई है, जो 17 जून तक चलेगी। इस मीटिंग में प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, सीएम जयराम ठाकुर, पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और पार्टी के प्रभारी अविनाश राय खन्ना और सह प्रभारी संजय टंडन भी शामिल हैं।

अब कोविन पर पहले से रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं, सीधे सेंटर पर जाकर ले सकते हैं टीका : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाने के लिए सरकार ने टीका लेने के नियमों को और आसान बना दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अब कोरोना टीका लेने के लिए पहले से कोविन ऐप या वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं होगा। सरकार ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविन ऐप या वेबसाइट पर वैक्सीन के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की बाध्यता को खत्म कर दिया है। सरकार के मुताबिक, कोई भी शख्स अपने नजदीकी वैक्सीनेशन सेंटर जाकर ऑन साइट रजिस्ट्रेशन करवा सकता है और वैक्सीन ले सकता है। पीआईबी द्वारा जारी बयान में सरकार ने

कहा कि कोविन प्लेटफॉर्म, वॉक-इन के अलावा टीकाकरण के लिए पंजीकरण के कई तरीकों में से एक है। वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने के लिए हेल्थ वर्कर्स और आशा कार्यकर्ता वैक्सीन लेने वालों को ग्रामीण इलाके और शहरी स्लम्स इलाकों में ऑन-साइट रजिस्ट्रेशन के लिए जागरूक करेंगे। बयान में कहा गया कि 13 जून तक कोविन पर पंजीकृत 28.36 करोड़ लाभार्थियों में से 16.45 करोड़ (58 प्रतिशत) लाभार्थियों को ऑन-साइट मोड में पंजीकृत किया गया है। इसमें कहा गया है कि 13 जून तक कोविन पर दर्ज कुल 24.84 करोड़ वैक्सीन खुराक में से 19.84 करोड़ खुराक (लगभग 80 प्रतिशत) को ऑन-साइट पंजीकरण के माध्यम से दिया गया। बता दें कि इस साल 16 जनवरी को भारत में दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का आगाज हुआ था। अब तक देश में अब तक कोविड-19 टीकों की 26 करोड़ से अधिक खुराक लगाई गई हैं। मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को 18-44 साल के आयु वर्ग के 13,13,438 लोगों को टीके की पहली खुराक दी गयी जबकि 54,375 लोगों को दूसरी खुराक लगायी गयी। मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोविड टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत से अब तक देशभर में 18-44 साल के आयु वर्ग के 4,49,87,004 लोगों ने कोविड-19 टीके की पहली खुराक और 8,95,517 लोगों ने दूसरी खुराक ली है। उसने कहा कि बिहार, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 18-44 साल के 10-10 लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगा दी गयी है।

गाजियाबाद में कांग्रेस नेता और ट्विटर समेत 9 पर एफआईआर, वीडियो वायरल होने से नहीं रोकने का लगा आरोप

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने एक बुजुर्ग के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने का वीडियो वायरल होने पर बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने नौ लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। इसमें दो कांग्रेस नेता और ट्विटर इंडिया भी शामिल हैं। इनपर लोनी में हुई घटना को गलत तरीके से सांप्रदायिक रंग देने की वजह से यह कार्रवाई की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक बुजुर्ग मुस्लिम को पीटा गया और उसकी दाढ़ी काट दी गई।

पुलिस की तरफ से यह कार्रवाई ऐसे समय पर की गई है जब इस पूरे मामले ने सियासी रंग ले लिया है। राहुल गांधी ने जहां इसपर सवाल खड़े किए वहीं सीएम योगी ने उन्हें यूपी को बदनाम न करने की नसीहत दी थी।

एफआईआर में गाजियाबाद पुलिस ने कहा है, %लोनी में हुई घटना का कोई सांप्रदायिक एंगल नहीं है जिसमें एक आदमी की पिटाई की गई और दाढ़ी काटी गई। निम्नलिखित संस्थाएं- द वायर, राणा अय्यूब, मोहम्मद जुबैर, डॉ शमा मोहम्मद, सबा नकवी, मस्कूर उस्मानी, स्लैमन निजामी ने इस तथ्य की जांच किए बिना अचानक ट्विटर पर घटना को सांप्रदायिक रंग देना शुरू कर दिया और शांति भंग करने के लिए संदेश फैलाना शुरू किया। साथ ही धार्मिक समुदायों के बीच मतभेद पैदा

किए। ट्विटर ने वीडियो को वायरल होने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है, उनमें अय्यूब और नकवी वरिष्ठ पत्रकार हैं, जबकि जुबैर फैक्ट चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के लेखक हैं। डॉ शमा मोहम्मद और निजामी कांग्रेस के सदस्य हैं, जो पूर्व में टीवी बहस के दौरान पार्टी का एक प्रमुख चेहरा रहे हैं। वहीं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष उस्मानी को कांग्रेस ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में उतारा था।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दावा किया गया कि एक बुजुर्ग मुस्लिम चार लोगों ने मिलकर बुरी तरह पीटा, उससे जबरदस्ती जय श्री राम के नारे लगवाए और उसकी दाढ़ी काट दी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ लेकिन वीडियो के पीछे की सच्चाई कुछ और है।

पुलिस ने वायरल वीडियो में किए गए इन सभी दावों के पीछे की असली वजह बताई है। गाजियाबाद पुलिस ने कहा उन्होंने एफआईआर दर्ज कर ली है और इस मामले में एक व्यक्ति परवेश गुर्जर को घटना में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह घटना 5 जून की है, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना दो दिन बाद दी गई थी।

पुलिस का कहना है कि इस पूरी घटना के पीछे की वजह तांत्रिक साधना है। पीड़ित बुजुर्ग ने आरोपी को कुछ ताबीज दिए थे जिनके परिणाम न मिलने पर नाराज आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने यह भी बताया कि पीड़ित ने अपनी खद्धक में जय श्री राम के नारे लगवाने और दाढ़ी काटने की बात दर्ज नहीं कराई है।

सार समाचार

प्रदेश के कृषि मंत्री ने दिखाई मानवता, घायल युवकों को अपनी गाड़ी से खुद लेकर पहुंचे अस्पताल

भोपाल। मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। उन्होंने सड़क हादसे में घायल लोगों को खुद अपने गाड़ी से अस्पताल लेकर पहुंचे। दरअसल भोपाल के कमला पार्क के पास मंगलवार की देर शाम एक सड़क हादसा हो गया था। जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बता दें कि एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे कृषि मंत्री कमल पटेल ने घायलों को अपनी गाड़ी में बैठक कर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उन्होंने घायलों को अस्पताल में तुरंत भर्ती कराया। गौरतलब है कि कृषि मंत्री अक्सर अपनी दरियाली दिली दिखाते रहते हैं। इसके पहले भी इंदौर हरदा स्टेट हाईवे के ग्राम चापड़ा में तेज रफ्तार डंपर ने कार सवार परिवार को अपनी चपेट में ले लिया था। हादसे के समय वहां से कृषि मंत्री कमल पटेल गुजर रहे थे। उन्होंने फौरन संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल अपनी गाड़ी रुकवा कर पीड़ितों की मदद के लिए दौड़ लगा दी।

ईडी ने धन शोधन के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व विधायक को किया गिरफ्तार

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पनवेल स्थित एक सहकारी बैंक में 512 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में महाराष्ट्र के एक पूर्व विधायक विवेकानंद एस पाटिल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यहां बलार्ड एस्टेट स्थित ईडी कार्यालय में पाटिल (68) से पूछताछ करने के बाद केन्द्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें मंगलवार रात करीब सवा आठ बजे गिरफ्तार किया। 'पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी' के पूर्व विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था और हिरासत में रखने के लिए उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया जा सकता है।
ईडी का यह धनशोधन मामला नवी मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा पिछले साल फरवरी में उनके और लगभग 75 अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें करनाल नागरी सहकारी (कॉपरेटिव) बैंक में 512.54 करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप लगाया गया था, जिसका मुख्यालय पड़ोसी रायगढ़ जिले के पनवेल में है। पुलिस ने पूर्व में पनवेल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष पाटिल के अलावा उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कई अन्य लोगों को आरोपी के रूप में नामित किया था, जिन्होंने संस्था से ऋण लिया था।

22 जून को होगी कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक

चेन्नई। चालू वर्ष के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण की पहली बैठक 22 जून को होगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर राज्य के हिस्से का पानी सुनिश्चित करने के लिए कहा है। स्टालिन ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को लिखे अपने पत्र में उनसे कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) को सलाह देने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तमिलनाडु को अपने हिस्से के पानी की आपूर्ति हो। स्टालिन ने पत्र में कहा कि तमिलनाडु को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तैयार मासिक कार्यक्रम के अनुसार पानी की आपूर्ति की जाए। सुप्रीम कोर्ट के शेड्यूल के मुताबिक राज्य को 9.19 मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसीएफटी) और 31 जुलाई तक राज्य को 24 टीएमसीएफटी पानी मिलना है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कावेरी जल विनियमन प्राधिकरण 17 जून को ऑनलाइन बैठक करेगा और 22 जून को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में प्रस्तुत किए जाने वाले बारीक बिंदुओं पर चर्चा करेगा। दोनों बैठकें ऑनलाइन होंगी और दक्षिण पश्चिम मानसून की शुरूआत के साथ, बैठकें आवश्यक और महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दक्षिण भारत में कावेरी जल बंटवारा एक प्रमुख मुद्दा रहा है।

राज्यों के जीएसटी बकाये को लेकर चिदंबरम ने वित्त मंत्री पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बुधवार को पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को केंद्र की ओर से जीएसटी बकाये का भुगतान नहीं किए जाने का दावा किया और कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण यह कहना गलत है कि सभी राज्यों को बकाये का भुगतान कर दिया गया है। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने निर्मला सीतारमण की एक निजी अंग्रेजी चैनल के साथ बातचीत का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''कल वित्त मंत्री ने एक चैनल के साथ साक्षात्कार में, बहुत ही गुस्से में कहा कि सभी राज्यों को जीएसटी बकाये का भुगतान कर दिया गया है। वित्त मंत्री की बात सही नहीं है। उनका गुस्सा उचित नहीं है।'' चिदंबरम के अनुसार, छत्तीसगढ़ का एक जून, 2021 तक जीएसटी बकाया 3,069 करोड़ रुपये है, इसके बावजूद वित्त मंत्री ने दावा किया कि उन्होंने सभी राज्यों का जीएसटी बकाया चुका दिया है! उन्होंने कहा, ''राजस्थान का 31 मार्च, 2021 तक जीएसटी बकाया 4635 करोड़ रुपये था। इस संख्या का जिक्र मुख्यमंत्री द्वारा वित्त मंत्री को लिखे गए पत्र में किया गया था। 2021-22 में मई तक और 2507 करोड़ रुपये जोड़ें। राजस्थान का अब तक का कुल बकाया 7142 करोड़ रुपये है।'' कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, ''एक जून, 2021 तक पंजाब का जीएसटी बकाया 7393 करोड़ रुपये है।

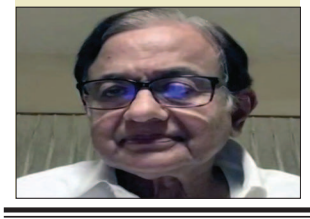

केरल के नए कांग्रेस अध्यक्ष सुधाकरन ने कहा: मजबूती से वापसी करेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद के. सुधाकरन ने अपने उद्घाटन भाषण में बुधवार को कहा कि राज्य में पार्टी ने कुछ भी नहीं खोया है।

सुधाकरन का नाम उस समय चौंकाने वाला था जब पार्टी आलाकमान ने उनके नाम की घोषणा की क्योंकि केरल में पार्टी के अध्यक्ष और अन्य शीर्ष पदों को हमेशा प्रमुख गुटों के बीच बंटा रहता था। इस बार आलाकमान ने तमाम गुट के नेताओं, ओमान चांडी और रमेश चेन्नीथला को नजरअंदाज कर दिया है।

सुधाकरन ने कहा, मैं राज्य के प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की मदद चाहता हूं । कृपया मुझे अपना हाथ दें और यदि आप मुझे अपना हाथ देते हैं, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, हम वापसी करेंगे। फिलहाल कृपया एक पदाधिकारी बनने की उम्मीद न करें । इसके बजाय हम सभी को अपनी पार्टी बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने दें। मैं आप सभी को यह भी आश्वासन देता हूं कि मैं देखूंगा कि मैं अपने कृत्यों या कार्यों से हमारी पार्टी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा। सुधाकरन ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने उनके हालिया बयान की आलोचना करते हुए यह संकेत दिया कि वह भाजपा/आरएसएस का विस्तार हैं। सुधाकरन ने कहा, हर कोई जानता है कि विजयन ने बीजेपी/आरएसएस की मदद ली है, जब उन्होंने चुनाव लड़ा था। यह कांग्रेस ही है जिसने बीजेपी/आरएसएस से लड़ाई लड़ी है और किसी अन्य पार्टी ने नहीं। निवर्तमान अध्यक्ष मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने कहा, सभी जानते हैं कि दूसरी पिनराई विजयन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विजयन के बीच एक गुप्त समझौते के कारण सत्ता में आई थी। रामचंद्रन ने कहा, भले ही हम विधानसभा चुनाव हार गए कांग्रेस और सीपीआई-एम के बीच वोट प्रतिशत में अंतर केवल 0.5 प्रतिशत है । इसलिए हमारे पास निराश होने का कोई कारण नहीं है। हम कर सकते हैं और हम दृढ़ता से वापस आएंगे । इसके लिए हम सभी को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने सभी को याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी की कार्यशैली अलग है और यह उस पार्टी की तरह नहीं है जहां एक व्यक्ति सब कुछ तय करता है और बाकी लोग ताली बजाकर उसका अनुसरण करते हैं। सतीसन ने कहा, हमारी एक ऐसी पार्टी है जहां हर कोई चर्चा और बहस कर सकता है। हमारे पास कई वरिष्ठ नेता हैं जो हमारे नए अध्यक्ष सुधाकरण के साथ हमें आगे ले जाने के लिए होंगे। अतीत में भी हमारी पार्टी को यहां और भी खराब चुनावी उलटफेर (1969) का सामना करना पड़ा था। इसलिए हम सभी एक साथ काम कर सकते हैं और वापसी कर सकते हैं।

तीसरी लहर से दिल्लीवासियों को बचाने की तैयारी में जुटे केजरीवाल, बोले- 5,000 हेल्थ असिस्टेंट को दी जाएगी ट्रेनिंग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कोरोना वायरस की आने वाली तीसरी लहर को लेकर सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अगर दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर आती है तो उससे बचाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के नए प्लांट लगाए जा रहे हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर समेत कई तरह की तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 5,000 हेल्थ असिस्टेंट तैयार करने की एक बहुत महत्त्वाकांक्षी योजना बनाई है। 5,000 युवाओं को 2-2 हफ्ते की ट्रेनिंग दी जाएगी, आईपी यूनिवर्सिटी ये ट्रेनिंग दिलवाएगी। दिल्ली के 9 बड़े मेडिकल इंस्टीट्यूट में बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि ये 5,000 हेल्थ असिस्टेंट डॉक्टर और नर्स के असिस्टेंट के रूप में काम करेंगे। अपने से यह लोग कोई निर्णय नहीं लेंगे। 5,000 हेल्थ असिस्टेंट्स को प्राथमिक चिकित्सा, ऑक्सीजन नापने, मास्क लगाने, वैक्सीन लगाने, होम केयर की ट्रेनिंग दी जाएगी।

12वीं पास छात्र कर सकेंगे आवेदन

उन्होंने बताया कि 17 जून से इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है और 28 जून से इनकी ट्रेनिंग शुरू होगी। 500-500 लोगों का बैच रहेगा। इस तरह से 5,000 लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए 12वीं कक्षा पास लोग योग्य हैं। कम से 18 साल की उम्र होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं फिर से उम्मीद करता हूं कि तीसरी लहर न आए। लेकिन इंग्लैंड से खबर सामने आ रही है कि वहां पर तीसरी लहर आ गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए हम अपनी तैयारी में किसी प्रकार की कमी नहीं करना चाहते हैं।

गहलोत-पायलट विवाद पर भाजपा ने कहा, यह कोई नया संघर्ष नहीं, जनता भी इस बात को जानती है

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में मचा घमासान पर भाजपा चुटकी ले रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सचिन पायलट और अशोक गहलोत के ग्रुप के बीच संघर्ष कोई नया विषय नहीं है। संघर्ष, जोड़तोड़, आपसी विग्रह और कांग्रेस पार्टी का राजस्थान में कांग्रेस की सरकार का चोली-दामन का साथ हो गया है। जनता भी इस बात को जान गई है। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में भाजपा के प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के अंदरूनी झगड़े हैं। जनता के सामने ये कहते हैं कि ये झगड़े हम नहीं करवा रहे ये बाहर से हो रहे हैं। वे भाजपा को कहते हैं कि आप हमारे झगड़े सुलझाइये। भाजपा उनके झगड़े नहीं सुलझा सकती, उन्हें खुद सुलझाना होगा।

राठौर ने आगे कहा कि राज्यों में जो नेता हैं वे अपनी चलाना चाहते हैं। जो विद्रोह में हैं वे भी केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाते हैं कि हमें ज्यादा हिस्सा चाहिए। हिस्से की इस लड़ाई में जनता का हिस्सा मारा जा रहा है। ढ़ाई साल निकल गए लेकिन कांग्रेस के झगड़े समाप्त नहीं हुए। आपको बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लगातार विवाद की खबरें आ रही हैं। यही नहीं, वहा के विधायक भी फिलहाल दो गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं। पायलट गुट के विधायक लगातार अपनी मांग पर अड़े हुए हैं जबकि अशोक गहलोत इन्हें ज्यादा महत्व देना नहीं चाहते।

मायावती : सपा कर रही छलावा, विधायक पहले से ही निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने पार्टी में टूट को नकारते हुए कहा, घृणित जोड़तोड़, द्वेष व जातिवाद की संकीर्ण राजनीति में माहिर समाजवादी पार्टी मीडिया के सहारे यह प्रचारित कर रही है कि बसपा के कुछ विधायक टूट कर समाजवादी पार्टी में जा रहे हैं। यह घोर छलावा है।

मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, इन विधायको को काफी पहले ही सपा और एक उद्योगपति से मिलीभगत के कारण राज्यसभा के चुनाव में एक दलित के बेटे को हराने के आरोप में बसपा से निलंबित किया जा चुका है। बसपा में टूट की बात एक दम छलावा है। मायावती ने लगातार पांच ट्वीट कर सपा को आड़े हाथ लेते हुए कड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, सपा अगर इन निलंबित विधायकों के प्रति थोड़ी भी ईमानदार होती तो अब तक इन्हें अधर में नहीं रखती। उनको यह मालूम है कि बीएसपी के यदि इन विधायकों को लिया तो सपा में बगावत व फूट पड़ेगी, जो बीएसपी में आने को आतुर बैठे हैं। बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा, ये जगजाहिर है कि सपा का चाल, चरित्र और चेहरा हमेशा ही दलित विरोधी रहा है, जिसमें थोड़ा भी सुधार के लिए वह कतई तैयार नहीं हैं। इसी कारण सपा सरकार में बीएसपी सरकार के जनहित के कामों को बंद किया। खासकर भदोई को नया संत रविदास नगर जिला बनाने को भी बदल डाला गया था, जो अति निंदनीय कदम था। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने आखिरी ट्वीट में फिर दोहराया, बीएसपी के निलंबित विधायकों से मिलने आदि का मीडिया में प्रचारित करने के लिए मंगलवार को किया गया सपा का नया नाटक यूपी में पंचायत चुनाव के बाद अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख के चुनाव के लिए की गई पैंतरेबाजी ज्यादा लगती है। यूपी में बीएसपी जन आकांक्षाओं की पार्टी बनकर उभरी है, जो जारी रहेगा।

ज्ञात हो कि मंगलवार को बसपा में बगावत से सूबे का सियासी माहौल गर्मा दिया। बसपा से निलंबित 11 विधायकों ने एकजुटता दिखाते हुए लालजी वर्मा के नेतृत्व में एक अलग दल बनाने का विचार कर रहे हैं। पांच बागी विधायकों ने कल लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। बसपा में कुल 18 विधायकों में से नौ को पार्टी ने निलंबित और दो को निष्काषित कर दिया गया है। मंगलवार को विक्रमादित्य स्थित सपा कार्यालय पर अखिलेश यादव से मिलने गए विधायकों की अगुवाई श्रावस्ती के विधायक असलम राईनी ने की। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही वे बसपा से हाल ही में निष्कासित किए गए लालजी वर्मा के नेतृत्व में नया दल बनाएंगे। उनके साथ पार्टी के 11 विधायक हैं।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा- योग ने कोरोना महामारी के दौरान की लोगों की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने मंगलवार को इस बात को रेखांकित किया कि योग ने कोविड-19 की वजह से सार्वजनिक गतिविधियों पर लगाई गई पाबंदियों के दौरान कैसे लोगों की मदद की है। उन्होंने कहा कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाने और तनाव प्रबंधन में योग के फायदे स्पष्ट हैं। विश्व योग सम्मेलन 2021 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि दुनिया भर में योग की स्वीकार्यता बढ़ रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हर्षवर्धन के हवाले से एक बयान में कहा, ÷देखा जा रहा है कि पश्चिमी दुनिया में भी योग को एक दैनिक जीवन शैली के रूप में शामिल किया जा रहा है।

महामारी के वर्तमान समय में भी, जब शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर जोर दिया गया है, कई लोगों ने इसके लिए योग का रुख किया है।' उन्होंने इस साल योग दिवस पर केंद्रीय संदेश 'योग के साथ, घर पर रहें'के महत्व को लेकर कहा कि महामारी की वजह से इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक गतिविधियां नहीं होंगी। मंत्री ने कहा, 'यह संदेश कोविड-19 के समय में सबसे अधिक प्रासंगिक है, जब हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने समग्र स्वास्थ्य की देखभाल करते हुए सभी संभावित सावधानियां बरतें।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य है कि योग को हर नागरिक तक लेकर जाया जाए क्योंकि सामग्र सेहत के लिए योग के फायदे साबित हैं। यह कार्यक्रम मोक्षायतन योग संस्थान ने आयुष मंत्रालय एवं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के साथ मिलकर सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया है। 21 जून को सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है।

ASEAN बैठक में बोले राजनाथ सिंह, भारत वसुधैव कुटुंबकम को मानने वाला, पूरी दुनिया एक परिवार है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। ADMM Plus एक महत्वपूर्ण मंच है जिसमें 10 आसियान सदस्य देश और 8 डायलॉग पार्टनर ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। ASEAN रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत की अवधारणा 'वसुधैव कुटुंबकम' है। पूरी दुनिया एक परिवार है।ये और प्रासंगिक हो गई है। वर्तमान क्षेत्रिय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां पैदा हो गई हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी व्यवस्था का आह्वान करता है जो राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर आधारित हो और विवादों का समाधान अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनों के माध्यम से बातचीत से शांतिपूर्वक हो। रक्षामंत्री ने आगे कहा कि, दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के साथ भारत का जुड़ाव नवंबर 2014 में पीएम मोदी द्वारा घोषित 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' पर आधारित है। इस नीति के महत्वपूर्ण तत्व आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संबंध बढ़ाना और इंडो पैसिफिक क्षेत्र के देशों के साथ रणनितिक संबंध स्थापित करना है। ASEAN रक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि,आतंकवाद और कट्टरपंथ दुनिया की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा हैं जिनका आज दुनिया सामना कर रही है। भारत विश्वास करता है कि सिर्फ सामूहिक सहयोग से ही आतंकी संगठनों और उनके नेटवर्क को पूरी तरह नष्ट किया जा सकता है।

इस बैठक की मेजबानी ब्रुनेई रक्षा मंत्रालय कर रहा है।बता दें कि ब्रुनेई इस साल आसियान समूह के अध्यक्ष हैं और सभी बैठकें करेंगे।

यूपी के गांव-गांव में घर-घर तक बच्चों को मुफ्त मिलेगी दवाई-किट

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यूपी में कोविड-19 लक्षणों से युक्त 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए दवाई-किट के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने आवास 5, कालिदास मार्ग से निःशुल्क दवाई वितरण में लगे वाहनों को हरी झंडी दिखाई।

इन वाहनों को प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया गया। निगरानी समितियों के सदस्यों के माध्यम से दवाई-किट का वितरण गांव-गांव में घर-घर तक किया जाना है।

राज्य के लोगों को बीमारियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री की ओर से प्रत्येक दिन नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार से 18 साल से कम उम्र के उन बच्चों के लिए, जिनमें कोविड-19 के लक्षण पाए जा रहे हैं, निशुल्क दवाइयां पहुंचाने की जिम्मेदारी निगरानी समितियों को सौंपी गई है। प्रदेश में 60 हजार से अधिक निगरानी समतियों के चार लाख से अधिक सदस्यों को इन दवाइयों के गांव-गांव वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। योगी सरकार ने मानसून को देखते हुए भी मौसमी व मच्छर जनित बीमारियों से लड़ने की पुख्ता तैयारियां कर ली हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 की संभावित तृतीय लहर की पहले से ही तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में 18 वर्ष से कम आयु के लक्षण युक्त बच्चों के लिए निगरानी समिति के माध्यम से समस्त जनपदों में निःशुल्क दवाई किट का वितरण करने का विशेष कार्यक्रम शुरू हो रहा है। 18 वर्ष से कम आयु के कोविड-19 के लक्षण युक्त बच्चों को चार वर्गों में (0-1 वर्ष, 1-5 वर्ष, 5-12 वर्ष तथा 12-18 वर्ष) में विभाजित किया गया है।

प्रत्येक वर्ग के लिए अलग-अलग प्रकार की दवाई किट तैयार की गई है। इस कार्यक्रम से 50 लाख से अधिक बच्चों को निःशुल्क दवाई किटें वितरित की जाएंगी। प्रथम चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 17 लाख किटें 18 मंडलों के 75 जनपदों के लिए अपने सरकारी आवास लखनऊ से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। शेष 33 लाख किटें इसी माह में समस्त जनपदों के वेयर हाउसों में आपूर्ति की जाएंगी। वेयरहाउसों से अग्रेत्तर जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं निगरानी समिति के माध्यम से लक्षण युक्त बच्चों में वितरित की जाएगी। यही नहीं, संभावित तृतीय लहर के दृष्टिगत कोविड-19 के लक्षण युक्त वयस्कों के लिए फिर 100 किट प्रति निगरानी समिति के लिए कुल 71 लाख किटें तैयार कर जनपदों में भेजी जा रही हैं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, राज्यमंत्री अतुल गर्ग समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कोरोना की जंग में हर जीवन अनमोल अभियान के तहत मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में इस पहल की शुरुआत की है।

सार समाचार

पाकिस्तान के संसद में सांसदों के बीच गाली-गलौच, एक दूसरे पर बजट दस्तावेज फेंके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संसद में मंगलवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक दूसरे को गालियां देते हुए आधिकारिक बजट के दस्तावेज एक दूसरे पर फेंके, जिसमें एक महिला सदस्य घायल हो गईं। संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में, वित्त मंत्री शौकत तारिन द्वारा शुक्रवार को पेश किये गए बजट 2021-22 पर चर्चा होनी थी। नेता प्रतिपक्ष शाहबाज शरीफ ने बजट पर चर्चा की शुरुआत के लिये पारंपरिक भाषण देने की कोशिश की तो सत्ता पक्ष के सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते सदन जंग के मैदान में तब्दील हो गया और कुछ सांसद आमने-सामने आ गए और तीखी नोकझोंकशुरू हो गई। अंत में बजट के दस्तावेज एक दूसरे पर फेंके गए। विपक्ष पर चीखते सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली अवान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दस्तावेज आंख पर लगने पर पीटीआई की सांसद मलिका बुखारी को उपचार दिया गया। हालांकि उन्हें गंभीर चोट नहीं आई। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शाहबाज शरीफ ने बाद में ट्वीट किया कि सत्तारूढ़ पीटीआई फासीवादी पार्टी है। उन्होंने ट्वीट किया, आज पूरे देश ने अपने टीवी स्क्रीन पर देखा कि कैसे सत्ताधारी दल ने गुंडागर्दी और यहां तक कि खुलेआम गालियों का सहारा लिया। इससे पता चलता है कि इमरान खान और उनकी पूरी पार्टी नैतिक रूप से कितनी स्तरहीन ... दुर्भाग्यपूर्ण! सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि हंगामे के लिये पीएमएल-एन जिम्मेदार है क्योंकि इसके सदस्यों में से एक ने गलत शब्दों का इस्तेमाल किया जिससे पीटीआई के कुछ सदस्यों को गुस्से में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पीटीआई के वरिष्ठ नेता मुस्कुराते हुए दिखे।

मैक्डोनाल्ड्स के कर्मचारी ने अजीबोगरीब तरीके से छोड़ी नौकरी, इंटरनेट पर खूब हुई चर्चा

न्यूयॉर्क। अक्सर आप लोगों ने मैक्डोनाल्ड्स का नाम बर्गर, फ्रेंच फाइज इत्यादि वजहों से सुर्खियों में छाते हुए देखा है लेकिन इस बार कुछ ऐसा हैरान कर देने वाला वाक्या घटित हुआ है, जिसकी वजह से इंटरनेट पर इसकी चर्चा हो रही है। आपको बता दें कि फास्ट फूड ज्वाइंट्स और फ्रेंचाइजी के किचन स्टाफ को बहुत ज्यादा दबाव में काम करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें न केवल ग्राहकों को संभालना होता है बल्कि रेस्तरां के मामलों को भी देखना पड़ता है। ऐसे में यदि कोई आउटलेट भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित हो तो काम और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मैक्डोनाल्ड्स के एक कर्मचारी ने काम के घंटों और काम की स्थिति से तंग आकर कुछ ऐसा कर दिया कि इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया। दरअसल, मैक्डोनाल्ड्स के एक कर्मचारी ने काम से तंग आकर अपनी नौकरी छोड़ दी। अब आप सोच रहे होंगे कि हर दिन कोई न कोई व्यक्ति अपना नौकरी से इस्तीफा दे देता है ऐसे में भला मैक्डोनाल्ड्स के एक कर्मचारी द्वारा इस्तीफा दिए जाने की खबर को इतनी तवज्जों क्यों दी जा रही है। तो हम आपको बता दें कि नौकरी छोड़ने पर नहीं बल्कि नौकरी छोड़ने के तरीके पर चर्चा हो रही है।

इजरायली सेना ने गाजा में फिर किया हमला

गाजा। इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इससे पहले गाजा ने आग लगने वाले गुब्बारे से इजरायल पर हमला किया था। गाजा सिटी में बुधवार तड़के धमाकों की आवाजें सुनी गई। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को गाजा से कई गुब्बारे इजरायल में भेजे गए थे, जिससे कई बार आग लगी। 21 मई को दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम में 11 दिनों की लड़ाई समाप्त होने के बाद से यह पहला बड़ा हमला है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने खान यूनिस और गाजा शहर में हमास द्वारा संचालित सैन्य परिसरों को निशाना बनाया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि हवाई हमलों में कोई घायल हुआ है या नहीं। हमास के एक प्रवक्ता ने ट्विटर पर बयान में कहा कि फिलिस्तीनी अपना बहादुर प्रतिरोध जारी रखेंगे और अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे जब तक कि कब्जा करने वालों को हमारी पूरी जमीन से निष्कासित नहीं किया जाता। इजराइल की अग्निशमन सेवा ने कहा कि गाजा से पहले लॉन्च किए गए आग लगाने वाले गुब्बारों ने दक्षिणी इजराइल में समुदायों द्वारा खेतों में कम से कम 20 जगह आग लगाई।

म्यांमार के चिन प्रांत के मुख्यमंत्री ने मिजोरम में ली शरण : अधिकारी

आइजोल। पड़ोसी देश म्यांमार के चिन प्रांत के मुख्यमंत्री सलाई लियान लुई ने भारत के मिजोरम राज्य में शरण ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सैन्य तख्तापलट के बाद से महिलाओं सहित 9,250 म्यामांर के निवासी पहले ही सीमावर्ती राज्य में शरण ले चुके हैं। बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करने वाला चिन, पश्चिमी म्यांमार में एक प्रांत है और यह भारत के पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम के साथ अपनी पश्चिमी सीमा साझा करता है। मिजोरम गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार रात को बताया कि चिन राज्य के मुख्यमंत्री सोमवार की रात पूर्वी मिजोरम के चम्फाई शहर आए हैं। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि आंग सान सू की की पार्टी, नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के लुई सहित 24 सांसदों ने तख्तापलट होने के बाद से मिजोरम के विभिन्न जिलों में विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में शरण ली है। अधिकारी ने कहा, म्यांमार के 9,250 नागरिकों को विभिन्न नागरिक समाज, छात्र और युवा संगठनों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा आश्रय और भोजन प्रदान किया जा रहा है। सीमावर्ती राज्य में शरण लेने वालों में से अधिकांश चिन के हैं, जिन्हें जोसमुदाय के रूप में भी जाना जाता है। इस वंश के लोग मिजोरम के मिजो के समान वंश, जातीयता और संस्कृति को साझा करते हैं।

केवल मंगल मिशन ही नहीं, सौर मंडल में दिलचस्प खोज कर रहे हैं 26 यान

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

पिछले महीने, चीन ने मंगल ग्रह पर जूरोंग रोवर को सफलतापूर्वक उतारा और तैनात किया। इस तरह वह लाल ग्रह की सतह पर रोवर उतारने वाला दूसरा देश बन गया। पिछले साल अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और चीन ने पृथ्वी से कम दूरी के कारण यात्रा पर लगने वाले अपेक्षाकृत कम समय का फायदा उठाते हुए मंगल पर अपने मिशन भेजे। अब सवाल यह पैदा होता है कि ग्रहों पर शोध करने वाले अधिकांश वैज्ञानिक मंगल पर जाने को लेकर इतने जुनूनी क्यों हैं? इस एक ग्रह पर इतना समय और पैसा क्यों खर्च किया जा रहा है, जबकि हमारे सौर मंडल में कम से कम सात अन्य ग्रह,200 से अधिक चंद्रमा, अनगिनत क्षुद्रग्रह, और इसके अलावा और भी बहुत कुछ है। खुशी की बात यह है कि हम अंतरिक्ष में अन्य स्थानों पर भी जा रहे हैं, और हमारे सौर मंडल में बहुत ही रोमांचक स्थानों जैसे बर्फ के ज्वालामुखी, बर्फीले मलबे के छल्ले, और विशाल चुंबकीय क्षेत्र के लिए बहुत सारे मिशन हैं। वर्तमान में हमारे सौर मंडल के चारों ओर 26 सक्रिय अंतरिक्ष यान हैं। कुछ अन्य ग्रहों और चंद्रमाओं की परिक्रमा कर रहे हैं, कुछ अन्य दुनिया की सतहों पर उतरे हैं, और कुछ केवल चित्र लेने के लिए अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे है। उनमें से केवल आधे ही मंगल पर जा रहे हैं।

इन 26 अंतरिक्ष यान में दीर्घकालिक मिशन पर निकले वोएजर 1 और 2 जैसे यान शामिल हैं - जो पिछले 40 से अधिक वर्षों से काम कर रहे हैं और अब सौर मंडल को छोड़कर कहीं तारों के बीच विचरण कर रहे हैं। और इनमें कुछ ऐसे अंतरिक्ष यान भी हैं, जिनके बारे में हम कम जानते हैं, लेकिन इनके बारे में जानना दिलचस्प है। उदाहरण के लिए, बृहस्पति के चारों ओर कक्षा में चक्कर लगाने वाले जूनो अंतरिक्ष यान को लें। इसे 2011 में लॉन्च किया गया और यह लगभग पांच साल बाद बृहस्पति की कक्षा में पहुंचा। यह अब अपने चुंबकीय क्षेत्र, वायुमंडलीय स्थितियों सहित विशाल ग्रह के विभिन्न गुणों को माप रहा है और यह निर्धारित कर रहा है कि बृहस्पति के वायुमंडल में कितना पानी है। इससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि कौन से ग्रह के निर्माणका सिद्धांत सही है (या नए सिद्धांतों की आवश्यकता है)। जूनो अपने मिशन की सात साल की अवधि को पार कर चुका है, और इसे कम से कम 2025 तक बढ़ा दिया गया है। जटिल अभियान खगोल गति विज्ञान के सबसे जटिल करतबों में से एक पिछले साल के अंत में पूरा हुआ था जब जापानी अंतरिक्ष एजेंसी (जेएक्सए) ने न केवल एक क्षुद्रग्रह पर एक अंतरिक्ष यान उतारा, बल्कि एक शानदार प्रयास के तहत वहां का नमूना भी धरती पर भेजा।

जापान के इस यान जिसका नाम वहां पाए जाने वाले एक बाज के नाम पर हायाबुसा 2, रखा गया है, ने 2018 में क्षुद्रग्रह 162173 रयुगु की सतह पर कदम रखा,सतह का सर्वेक्षण किया और नमूने लिए। 2019 में वापसी के दौरान, हायाबुसा 2 ने अपने आयन इंजनों का उपयोग कक्षा को बदलने और पृथ्वी पर लौटने के लिए किया। पांच दिसंबर, 2020 को,हैटबॉक्स के आकार और 16 किलोग्राम वजन का एक कैप्सूल नमूने के साथ पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया और ऑस्ट्रेलिया के वूमेरा टेस्ट रेंज में आ गिरा। इधर जेएएक्सए ने रयुगु क्षुद्रग्रह से एकत्रित चट्टानों और धूल का विश्लेषण शुरू किया है और उधर हायाबुसा 2 एक बार फिर अपनी यात्रा पर है और इस बार वह दूसरे क्षुद्रग्रह, 1998 केवायद्ध(26), 2031 से मुलाकात करने की ठानकर निकला है।

गुरूत्वाकर्षण कुएं कुछ ऐसे ग्रह हैं, जिन्हें ग्रहों के मिशनों की सूची में पहले शामिल नहीं किया गया था, ये ऐसे अंतरिक्ष यान हैं जो हमारे सौर मंडल के भीतर ''गुरुत्वाकर्षण कुओं'' में फंस गए हैं। यह कक्षाओं में विशेष स्थान होते हैं, जिन्हें लैग्रेंजियन बिंदु कहा जाता है और जो दो अंतरिक्ष पिंडों के बीच गुरुत्वाकर्षण के लिहाज से संतुलन का काम करते हैं। सौर और हेलिओस्फेरिक वेधशाला (एसओएचओ) पृथ्वी और सूर्य के बीच लैग्रेंजियन बिंदु के करीब मौजूद चार अंतरिक्ष यान में से एक है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर (चंद्रमा से लगभग चार गुना अधिक) दूर है। यह सूर्य की बाहरी परत और सौर हवा का अवलोकन करता है, संभावित विनाशकारी अंतरिक्ष मौसम की पृथ्वी पर प्रारंभिक चेतावनी भेजता है। अब हमारे एक लड़ाकू पड़ोसी ग्रह शुक्र की बात करते हैं। सतह पर बढ़ते तापमान और दबाव के बावजूद, नासा ने हाल ही में शुक्र और उसके वातावरण की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए दो बड़े मिशनों के लिए धन की मंजूरी दी है। ऊपरी वायुमंडल में फॉस्फीन गैस की खोज ने जीवन वैज्ञानिकों को यह विश्वास दिलाया है कि अधिक ऊंचाई वाले अधिक रहने योग्य और ठंडे तापमान पर जीवन मौजूद हो सकता है।

मंगल ग्रह पर इनजेनिटी हेलीकॉप्टर की सफल उड़ान ने बढ़ाया उत्साह - दूसरी दुनिया में किसी भी संचालित विमान की पहली उड़ान - नासा का ड्रैगनफ्लाई मिशन शनि के बर्फीले चंद्रमा, टाइटन के वातावरण में एक ड्रोन उड़ाएगा। 2026 में लॉन्च होने और 2034 में पहुंचने के बाद, रोटरक्राफ्ट टाइटन पर दर्जनों स्थानों पर उड़ान भरेगा और उन परिस्थितियों की तलाश करेगा जो पृथ्वी

के समान जीवन के अनुकूल हों। तो इस सब परकितना खर्च होता है? सरकारें अपने बजट की अपेक्षाकृत कम मात्रा विज्ञान और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए आवंटित करती हैं। देश आमतौर पर अपने बजट का 1त्न से भी कम अंतरिक्ष मिशन पर खर्च करते हैं - सामाजिक सेवाओं या सैन्य रक्षा से बहुत कम। यह तय करना कि कौन से अंतरिक्ष मिशन को धन प्राप्त होगा यह अक्सर सार्वजनिक हित से प्रेरित होता है। लेकिन निश्चित रूप से यह तय करना कि कौन सी जांच या अंतरिक्ष यान सबसे अधिक सफल परिणाम देगा, लगभग असंभव है। जब इंसान ने पहली बार चंद्रमा पर कदम रखा, तो दुनिया की 25 प्रतिशत आबादी ने सांस रोककर वह वीडियो देखा, जिसने दशकों तक अंतरिक्ष खोजकर्ताओं की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। आप उसकी कोई कीमत नहीं लगा सकते।

- गेल आइल्स, भौतिकी में वरिष्ठ व्याख्याता, आरएमआईटी विश्वविद्यालय मेलबर्न,

श्रीलंका के राष्ट्रपति और तमिल नेशनल अलायंस के बीच होने वाली पहली बैठक हुई स्थगित

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और देश की मुख्य तमिल पार्टी टीएनए के प्रतिनिधिमंडल के बीच बुधवार को होने वाली पहली बैठक बिना कोई कारण बताए स्थगित कर दी गई है। इस बैठक में संविधान सुधार प्रक्रिया के बारे में चर्चा होनी थी। तमिल नेशनल अलायंस (टीएनए) के सांसद एम ए सुमनतिरन ने बताया, ''हमें सूचित किया गया कि आज होने वाली बैठक स्थगित कर दी गई है। अभी तक हमें कोई नई तारीख नहीं बताई गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि बैठक को स्थगित करने का कोई कारण उन्हें नहीं बताया गया। टीएनए को उम्मीद है कि बैठक जल्द होगी और मुख्य तमिल दल तथा राष्ट्रपति के बीच संवाद का रास्ता इससे खुलेगा। सुमनतिरन के अनुसार उन्होंने पूछा था कि क्या राष्ट्रपति उनसे मिलना चाह रहे हैं और राजपक्षे द्वारा दिसंबर 2020 में नियुक्त विशेषज्ञ समिति को भेजे गए टीएनए के पत्र पर चर्चा करना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजपक्षे ने जवाब में संकेत दिया कि वह टीएनए के प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे। राजपक्षे ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी कि उन्हें सिंहला बहुसंख्यकों ने चुना है लेकिन वह अल्पसंख्यकों की चिंताओं पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा था कि अल्पसंख्यकों ने नवंबर 2019 में उनके राष्ट्रपति चुनाव का हिस्सा बनने से मना कर दिया था। टीएनए चाहती है कि तमिल अल्पसंख्यकों की राजनीतिक चिंताओं पर ध्यान देने के लिए 13वें संशोधन को और सार्थक बनाया जाए। हालांकि राजपक्षे के सार्वजनिक बयानों में झलकता है कि वह प्रांतीय परिषदों की प्रणाली को समाप्त करना चाहते हैं जो भारत और श्रीलंका के बीच 1987 में हुए समझौते के माध्यम से श्रीलंकाई संविधान का हिस्सा बनी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जूनियस जयवर्धने के बीच यह समझौता हुआ था। भारत हमेशा कहता रहा है कि वह चाहता है कि श्रीलंका सत्ता हस्तांतरण पर तमिलों की चिंताओं पर ध्यान देने के लिहाज से संशोधन 13ए का अनुसरण करे।

पाकिस्तान की अदालत ने कुलभूषण जाधव के मामले की सुनवाई पांच अक्टूबर तक के लिए स्थगित की

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने देश के शीर्ष विधि अधिकारी के अनुरोध पर भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव के लिए वकील नियुक्त करने संबंधी सरकार की याचिका पर सुनवाई पांच अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, 50 वर्षीय जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जासूसी एवं आतंकवाद के आरोपों में अप्रैल 2017 में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच न देने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अदालत (आईसीजे) का रुख किया था।

द हेग स्थित आईसीजे ने जुलाई 2019 में फैसला दिया कि पाकिस्तान को जाधव को दोषी ठहराने और सजा सुनाने संबंधी फैसले की ''प्रभावी समीक्षा एवं पुनर्विचार÷ करना चाहिए और बिना किसी देरी के भारत को जाधव के लिए राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने देने का भी अवसर दिया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने अपने 2019 के फैसले में पाकिस्तान से जाधव को सुनाई गई सजा के खिलाफ अपील करने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराने को कहा था। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून'

की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) खालिद जावेद खान के अनुरोध पर जाधव के लिए वकील नियुक्त करने की सरकार की याचिका पर सुनवाई मंगलवार को पांच अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

आईएचसी ने भारतीय उच्चायोग के वकील को सुनवाई की अगली तारीख पर अदालत के समक्ष पेश होने का नोटिस भी जारी किया। इससे पहले सात मई को हुई सुनवाई में आईएसी की वृहद पीठ ने भारत को जाधव के लिए वकील नियुक्त करने का 15 जून तक एक और मौका दिया था। न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह, न्यायमूर्ति आमेर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब इस पीठ में शामिल हैं। अटॉर्नी जनरल खान ने सुनवाई के दौरान अदालत को सूचित किया था कि भारत सरकार पाकिस्तान की अदालत के समक्ष मुकदमे पर आपत्ति जता रही है तथा उसने आईएचसी की सुनवाई के लिए वकील नियुक्त करने से भी इनकार करते हुए कहा कि यह ''संप्रभु अधिकारों का आत्मसमर्पण करने के समान है।'' वृहद पीठ ने बाद में तीन पन्नों का एक लिखित आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि किसी भी अदालत के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार करना किसी मामले में सहायता के लिए अदालत के सामने पेश होने से ''काफी अलग'' है। आदेश में कहा गया था, ''इस समय, अदालत केवल आईसीजे के फैसले को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कार्यवाही कर रही है।''

अदालत ने कहा था कि वह केवल आईसीजे के आदेश को लागू करने का एक तरीका निकालने की कोशिश कर रही है और इसे भारत के ध्यान में लाने की जरूरत है ताकि उसकी भी मौजूदगी रहे और वह कार्यप्रणाली एवं निर्णय के कार्यान्वयन की प्रक्रिया के बारे में अपनी आपत्ति व्यक्त कर सके। पाकिस्तान सरकार ने पिछले सप्ताह जाधव को अपील का अधिकार देने के लिए विपक्ष के हंगामे और बहिष्कार के बीच नेशनल असेंबली में एक विधेयक पारित किया था। संसद के निचले सदन ने अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत (समीक्षा एवं पुनर्विचार) विधेयक, 2020 को बृहस्पतिवार को पारित किया था। विधेयक का लक्ष्य कथित भारतीय जासूस जाधव को आईसीजे के फैसले के अनुरूप राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराना है।

विपक्ष का आरोप, बोरिस जॉनसन का भारत को देरी से लाल सूची में डालने से बढ़ा डेल्टा स्वरूप

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी ने मंगलवार को वायरस के डेल्टा स्वरूप के मामलों में वृद्धि के लिये प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा भारत से यात्रियों के आने पर रोक के फैसले को देरी से लागू करने को जिम्मेदार ठहराया। वायरस का यह स्वरूप सबसे पहले भारत में सामने आया था और मामलों में बढ़ोतरी की वजह से ब्रिटेन में लॉकडाउन को चार और हफ्तों के लिये 19 जुलाई तक बढ़ाना पड़ा है। लेबर शैडो गृह मंत्री निक थॉमस सायमंड्स ने इसे 'जॉनसन स्वरूप' करार दिया और भारत को उन देशों की 'लाल सूची' में शामिल नहीं किये जाने को लेकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री पर

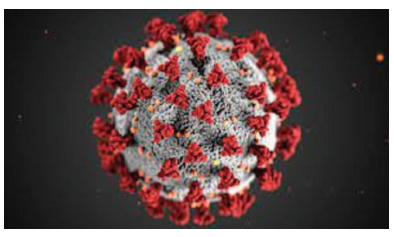

'अविश्वसनीय रूप से लापरवाह' कृत्य का आरोप लगाया जहां से यात्रा पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध था। इस सूची में शामिल देशों से ब्रिटश नागरिकों के लौटने पर उन्हें होटल में अनिवार्य रूप से पृथकवास में रहना पड़ता।

आधिकारिक अनुमान के मुताबिक अप्रैल की शुरुआत से 23 अप्रैल तक भारत को इस सूची में शामिल किये जाने तक भारत से यहां पहुंचे करीब 20 हजार से ज्यादा यात्री डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हो सकते हैं। निक थॉमस सायमंड्स ने हाउस ऑफ कॉमन्स में अपने भाषण में कहा, 'यह देरी इसलिये हो रही है क्योंकि विदेशों में पहली बार पहचाने गए वायरस के इस स्वरूप को देश में जड़े जमाने दी गईं।' उन्होंने कहा, 'यह होने का सिर्फ और सिर्फ एक कारण है- कंजर्वेटिव मंत्रियों का सीमा पर उपायों में बरती गई ढील। उन्होंने पहली बार भारत में सामने आए डेल्टा स्वरूप को यहां जड़ें जमाने दीं। इसे वही कहते हैं जो यह है। इसका आरोप उन्हीं पर डालते हैं जिनके जिम्मे यह होना चाहिए। इस देश में - यह जॉनसन स्वरूप है।

खाद्य संकट को लेकर चिंता में आए तानाशाह किम, कोरोना और तूफान से बिगड़े हालात

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने देश में खाद्य संकट की आशंका को लेकर आगाह किया और लोगों से कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लगायी पाबंदियों का समर्थन करने का आह्वान किया। किम ने चरमराती अर्थव्यवस्था को बचाने की राष्ट्रीय कोशिशों पर चर्चा के लिए एक प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन में यह बात कही। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बुधवार को कहा कि किम ने इस पर चर्चा का आह्वान किया कि उत्तर कोरिया को ''मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात'' से कैसे निपटना चाहिए। हालांकि उसने किम द्वारा अमेरिका या दक्षिण कोरिया के बारे में की गई किसी भी टिप्पणी का जिक्र नहीं किया। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सीमाएं बंद होने के कारण चीन से व्यापार रुकने और पिछली गर्मियों में बार बार तूफान तथा बाढ़ आने के कारण फसलें बर्बाद होने से उत्तर कोरिया की पहले से अस्थिर अर्थव्यवस्था और अधिक चरमा गयी है। उत्तर कोरिया में हालात का आकलन करने वाले पर्यवेक्षकों ने अभी भुखमरी के संकेत नहीं दिए हैं लेकिन कुछ विश्लेषकों का कहना है कि परिस्थितियां इस ओर बढ़ सकती हैं। दक्षिण कोरिया के एक सरकारी थिंक टैंक कोरियन डवलपमेंट इंस्टीट्यूट ने पिछले महीने कहा था कि उत्तर कोरिया को इस साल करीब दस लाख टन अनाज की कमी का सामना करना पड़ सकता है। सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की पूर्ण बैठक के दौरान मंगलवार को किम ने अधिकारियों से कृषि उत्पादन बढ़ाने के तरीके ढूंढने का अनुरोध करते हुए कहा कि देश में खाद्य पदार्थ की स्थिति ''तनावपूर्ण हो रही है।'' केसीएनए ने कहा कि किम ने देश को कोरोना वायरस मुक्त बनाने का आह्वान करते हुए यह संकेत दिए कि अर्थव्यवस्था पर दबाव के बावजूद महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन बढ़ाया जाएगा।

दुबला हो गया है उत्तर कोरिया का तानाशाही शासक किम जोंग उन, करीब 20 किलो घटाया वजन

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया का तानाशाही शासक किम जोंग उन का स्वास्थ्य लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया में चर्चा का केंद्र रहा है। आपको बता दें कि दक्षिण कोरिया किम की 12 लाख मजबूत सेना और परमाणु-सशस्त्र मिसाइलों के बढ़ते शस्त्रागार की छाया में रहता है। क्या किम वजन और भी बढ़ गया है? क्या वह अपेक्षाकृत कम चलने के बाद सांस के लिए संघर्ष कर रहा है? किम महत्वपूर्ण राज्य की सालगिरह समारोह में क्यों नहीं शामिल हुआ? इस तरह के सवाल लगातार उठते रहते हैं। फिर एकबार 37 वर्षीय किम अपने स्वास्थ्य के बारे में नई अटकलों का सामना कर रहा है। लेकिन इस बार ऐसा इसलिए हो रहा है कि क्योंकि वह पहले से ज्यादा दुबला है। सियोल, वाशिंगटन, टोक्यो और अन्य विश्व की राजधानियों में किम का स्वास्थ्य मायने रखता है क्योंकि उसने सार्वजनिक रूप से अपने उत्तराधिकारी का अभिषेक नहीं किया है। यदि वह अक्षम हो जाता है तो उसका उत्तराधिकारी ही संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों को लक्षित करने वाले एक उन्नत परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करेगा। उत्तर कोरिया अपने नेतृत्व के आंतरिक कामकाज के बारे में कभी नहीं खुला। पिछले एक साल में कोरोनो वायरस महामारी से बचाने के लिए खुद को और भी सख्त कर लिया है। हाल ही में मीडिया में किम की कुछ तस्वीरें देखने को मिलीं। तस्वीरों में वह पहले की तुलना में काफी पतला दिख रहा है। उसकी कलाई पर एक फैंसी घड़ी है और उसका चेहरा पहले की तुलना में पतला है। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि किम जो लगभग 170 सेंटीमीटर (5 फीट, 8 इंच) लंबा है और जिसका वजन पहले 140 किलोग्राम (308 पाउंड) था, ने लगभग 10-20 किलोग्राम (22-44 पाउंड) वजन कम किया है। सियोल के कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एक वरिष्ठ विश्लेषक होंग मिन के अनुसार, किम का स्पष्ट वजन कम होना बीमारी के संकेत के बजाय उसके स्वास्थ्य में सुधार का प्रयास है। होंग ने कहा, ÷अगर वह स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे होते, तो वे वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की पूर्ण बैठक बुलाने के लिए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते।÷ किम के परिवार में लोग काफी शराब पीते और धूम्रपान करते हैं। उनके पुर्वजों को दिल की बीमारी रही है। किम के पिता और दादा, जिन्होंने उनसे पहले उत्तर कोरिया पर शासन किया था, दोनों की हृदय रोग से मृत्यु हुई थी। विशेषज्ञों ने कहा है कि किम का वजन हृदय रोगों की संभावना को बढ़ा सकता है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि उसके पास किम के स्वास्थ्य के बारे में साझा

करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। मीडिया आउटलेट्स ने किम की पिछली और वर्तमान उपस्थितियों की तस्वीरों को प्रकाशित करने के साथ, दक्षिण कोरिया में उसके पतले लुक पर ध्यान केंद्रित किया है। सियोल स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ नॉर्थ कोरियन स्टडीज में सेओ यू-सोक ने कहा कि किम ने भले ही शीर्ष अधिकारियों के आग्रह पर देश के दूसरे सबसे ताकतवर पद की स्थापना की अनुमति दी हो, लेकिन फिर भी उसने किसी का नाम नहीं लिया है क्योंकि इससे सत्ता पर उसकी पकड़ ढीली हो सकती है।

संपादकीय

बुजुर्गों से सुलूक

कोरोना महामारी ने दुनिया भर के इंसानी समाजों को बहुत करीब से आईना दिखाया है, लेकिन इसकी दूसरी लहर ने खास तौर पर कई सामाजिक-पारिवारिक कटु हकीकतों से रूबरू कराया। गैर-सरकारी संगठन 'एजवेल फाउंडेशन' का ताजा सर्वे इसका ठोस उदाहरण है और चिंताजनक भी। संगठन ने अपने अध्ययन में पाया है कि दूसरी लहर के मद्देनजर लगे लॉकडाउन के दौरान 73 प्रतिशत बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार हुए। करीब 35 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को तो घरेलू हिंसा सहनी पड़ी। जाहिर है, इनमें महिलाओं की तादाद ज्यादा होगी। भारत में एक के बाद दूसरी सरकारों ने स्त्री सशक्तीकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए, और उन कोशिशों के सुफल भी अब दिख रहे हैं, लेकिन जो महिलाएं इस समय बुजुर्गियत जी रही हैं, उनमें से ज्यादातर की दूसरों पर आर्थिक निर्भरता और शारीरिक अशक्तता उन्हें उपेक्षा के लिहाज से अधिक संवेदनशील बना देती है। पिछले वर्ष के लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा के मामलों में 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया था। 25 मार्च से 31 मई के बीच पीड़ित महिलाओं ने अपने साथ हिंसा की 1,477 शिकायतें दर्ज कराई थीं, जो उस कालखंड की एक भयावह तस्वीर पेश कर रही थी। यह स्थिति तब थी, जब सामाजिक रूढ़ियों के कारण अनगिनत घटनाएं किसी तहरीर का हिस्सा नहीं बन पातीं। दरअसल, संक्रमण का डर, कमाई की चिंता, महानगरों के दड़बेनुमा घर में सिमट आई जिंदगी ने अनगिनत लोगों के सामने एक ऐसी स्थिति रख दी थी, जो उनकी कल्पना में भी नहीं थी। ऐसे में, हालात से उत्पन्न तनाव एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आए थे। पर दूसरी लहर के दौरान न तो लॉकडाउन उतने सख्त या लंबी अवधि के लगे और न ही यह परिस्थिति अचानक पैदा हुई थी, इसके बावजूद बुजुर्गों के साथ हो रहा बर्ताव बताता है कि हमारे पारिवारिक मूल्य तेजी से दरक रहे हैं और उनको संजीदगी से सहेजने की जरूरत है। पारंपरिक भारतीय परिवारों यानी संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों की देखभाल कोई समस्या इसलिए नहीं हुआ करती थी, क्योंकि तब उन्हें एकाकीपन से नहीं जूझना पड़ता था। भावनाओं की साझेदारी के साथ उनकी बहुत सारी शिकायतें यूं ही तिरोहित हो जातीं और वे उपेक्षित नहीं महसूस करते थे। फिर परिवारों व संततियों पर लोकलाज का अंकुश हमेशा बना रहता था। लेकिन व्यापक सामाजिक-आर्थिक बदलावों के कारण एकल परिवारों का चलन अब मजबूरी है और महामारी ने ऐसे परिवारों के सदस्यों के तनाव को ज्यादा गहरा किया है। एजवेल फाउंडेशन जैसे संगठनों के अध्ययन हमारे नीति-नियंताओं के लिए आंख खोलने वाले होने चाहिए। तब तो और, जब देश अभी दूसरी लहर से पूरी तरह उबरा नहीं है, तीसरी लहर की आशंका को टालने का इसे उपक्रम करना है और अर्थव्यवस्था को पटरी पर वापस लाना है। विगत वर्षों में बुजुर्गों के अधिकारों को संरक्षित करने वाले कई अच्छे कानून बने, बावजूद इसके यदि 73 प्रतिशत बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार बनते हैं और 35 फीसदी को पीड़ादायक स्थितियों से गुजरना पड़ता है, तो यह उन कानूनों के क्रियान्वयन, उन्हें लेकर सामाजिक जागरूकता को कठघरे में खड़ा करता है। वैसे भी, बच्चों व बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा किए बिना कोई समाज सभ्य नहीं कहला सकता।

'आज के ट्वीट

जमीन

डीएलएफ से लोन लेकर ज़मीन ख़रीद कर उसी ज़मीन को डीएलएफ को 60 गुना कीमत में बेचने वाले रॉबर्ट वाड्रा की पत्नी प्रियंका वाड्रा भी ज्ञान दे रही है। हमारे आधे हरियाणा की जमीन बेचकर खा गए रॉबर्ट वाड्रा जी पहले उनको ज्ञान दो।

- बबीता फोगाट

इजराइल में सत्ता में परिवर्तन, भारत से संबंधों पर असर नहीं

आर.के. सिन्हा

इजराइल में सत्ता में परिवर्तन तो हो गया है। वहां नफ्ताली बेनेत ने प्रधानमंत्री पद संभाल लिया है। पर इससे भारत-इजराइल के संबंधों पर किसी तरह का असर नहीं होगा। दोनों देशों के रिश्ते चट्टान से भी ज्यादा मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मित्र देश के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि अगले वर्ष हमारे राजनयिक रिश्तों को 30 वर्ष हो जायेंगे, जिसे मद्देनजर रखते हुये मैं आपसे मुलाकात करने का इच्छुक हूं और चाहता हूं कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और गहरी हो। दरअसल दोनों देशों के रिश्तों को ठोस आधार देने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी और इजराइल के निवर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार सक्रिय थे। इन नेताओं के व्यक्तिगत संबंधों से भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को बल मिला और उन्होंने इस मुद्दे पर निजी दिलचस्पी ली। भारत-इजराइल संबंधों को गति मिलने में भारत के हजारों यहूदी नागरिकों का भी खास योगदान रहा है। भारत में यहूदी नागरिक महाराष्ट्र, केरल, पूर्वोत्तर और राजधानी दिल्ली आदि में रहते हैं। इजराइल में नफ्ताली बेनेट के नए प्रधानमंत्री बनने के साथ ही राजधानी के एकमात्र सिनोगॉग में उनके यहां आने का इंतजार भी शुरू हो गया है। इसकी वजह यह है कि हुमायूं रोड की जूदेह हयम सिनगॉग में बेनेट के पूर्ववर्ती बेंजामिन नेतन्याहू और उनसे पहले इजराइल के शिखर नेता सिमोन पेरेज स्थानीय यहूदी समाज से मिलने और प्रार्थना के लिए आ चुके हैं। वे जब भारत के सरकारी दौरे पर आए तो जूदेह हयम सिनगॉग में आना नहीं भूले। इसी सिनगॉग से सटी हुमायूँ रोड की कोठी में सांसद के तौर पर 6 वर्ष रहा था ढ्ढ अत- मैं इनकी गतिविधियों से थोड़ा बहुत परिचित तो हूँ ही ढ्ढ नफ्ताली बेनेट को अपने देश के आम चुनाव में बहुमत हासिल हुआ जिसके बाद इन्होंने कार्यभार संभाल लिया है। बेनेट के बारे में पता चला कि वे पहले कभी भारत नहीं आए हैं। चूंकि भारत-इजराइल के संबंध बहुत घनिष्ठ हैं इसलिए उनका आने वाले समय में नई दिल्ली आना तय है। देखिए, इजराइल कहीं न कहीं भारत के प्रति बहुत आदर का भाव रखता है। इसकी दो वजहें हैं। पहली, भारत में कभी भी यहूदियों के साथ किसी भी तरह के जुल्म नहीं हुए। उन्हें इस देश ने सारे अधिकार और सम्मान भी दिए। इस तथ्य को सारी दुनिया के यहूदी सहर्ष स्वीकार करते हैं। उन्हें पता है कि भारत में कोई यहूदी सेना के शिखर पद पर भी पहुंच सकता है। गवर्नर भी बन सकता है ढ्ढ उन्हें इस बाबत लेफ्टिनेंट जनरल जे.एफ.आर जैकब के संबंध में विस्तार से जानकारी है। राजधानी के जूदेह हयम सिनगॉग के एक हिस्से में यहूदियों का कब्रिस्तान भी है। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ 1971 में लड़ी गई जंग के नायक जे.एफ.आर जैकब की भी कब्र है। वे पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए युद्ध के महानायक थे। अगर उस जंग में जैकब की योजना और युद्ध रणनीति पर अमल न होता तो बांग्लादेश को आज़ादी आसानी से नहीं मिलती और लगभग एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों का शर्मनाक आत्मसमर्पण भी नहीं होता। पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में अन्दर घुसकर पाकिस्तानी फौजों पर भयानक आक्रमण करवाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल जैकब की वीरता की गाथा प्रेरक है। उनके युद्ध कौशल का ही परिणाम था कि नब्बे हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों ने अपने हथियारों समेत भारत की सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था, जो कि अभीतक का विश्व भर का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण है। दूसरी, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने बहादुरी का परिचय देते हुए इजरायल के हाइफा शहर को आजाद कराया था। भारतीय सैनिकों की टुकड़ी ने तुर्क साम्राज्य और जर्मनी के सैनिकों से जमकर मुकाबला किया था। माना जाता है कि इजरायल की आजादी का रास्ता हाइफा की लड़ाई से ही खुला था, जब भारतीय सैनिकों ने सिर्फ भाले, तलवारों और घोड़ों के सहारे जर्मनी-तुर्की की मशीनगनों से लैस सेना को धूल चटा दी थी। इस युद्ध में भारत के बहुत सारे सैनिक शहीद हुए थे। राजधानी दिल्ली में आने वाले इजरायल के शिखर नेता से लेकर सामान्य टूरिस्ट अब तीन मूर्ति स्मारक में जाने लगे हैं। इसमें साल 2018 से इजरायल के ऐतिहासिक शहर हाइफा का नाम जोड़ दिया गया है। तब से इस चौक का नाम 'तीन मूर्ति हाइफा' हो गया है। वास्तव में मोदी और नेतन्याहू के संबंध आत्मीय और मित्रवत हो गए थे। इसके चलते दोनों देशों के आपसी संबंधों में सहयोग और तालमेल निरंतर बढ़ता रहा। महत्वपूर्ण यह है कि भारत-इजरायल की संस्कृति में भी समानता है। हमारे त्योहारों में भी समानता है। भारत में होली मनाई जाती है तो इजराइल में हनुका मनाया जाता है। भारत ने साल 1992 में इजरायल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। साल 2003 में तत्कालीन इजराइली प्रधानमंत्री एरियल शेरोन भारत की यात्रा पर आए थे। ऐसा करने वाले वह पहले इजराइली प्रधानमंत्री थे। भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को रक्षा और व्यापार सहयोग से लेकर रणनीतिक संबंधों तक विस्तार देने का श्रेय काफी हद तक उनको ही जाता है। इस बीच, केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 2014 में सत्तासीन होने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में नई इबारत लिखी जाने लगी है।

इजराइल साल 1948 में जन्म के बाद से ही फ़लस्तीनियों और पड़ोसी अरब देशों के साथ जमीन के स्वामित्व के प्रश्न पर निरंतर लड़ रहा है। भारत ने 1949 में संयुक्त राष्ट्र में इजराइल को शामिल करने के खिलाफ़ वोट दिया था। यह पंडित नेहरू की अदूरदर्शिता थी पर फिर भी उसे संयुक्त राष्ट्र में शामिल कर लिया गया। अगले साल ही भारत ने भी इजराइल के अस्तित्व को स्वीकार कर लिया था। याद रखें कि यही भारत और इजराइल के संबंधों का श्रीगणेश था। भारत ने 15 सितंबर 1950 को इजराइल को मान्यता दे दी। अगले साल मुंबई में इजराइल ने अपना वाणिज्य दूतावास खोला। पर भारत अपना वाणिज्य दूतावास इजराइल में नहीं खोल सका। भारत और इजराइल को एक-दूसरे के यहां आधिकारिक तौर पर दूतावास खोलने में चार दशकों से भी लंबा वक्त लग गया। मतलब नई दिल्ली और तेल अवीव में इजराइल और भारत के एक-दूसरे के दूतावास सन 1992 में खुले। इजराइल भारत के सच्चे मित्र के रूप में लगातार सामने आ रहा है। हालांकि फिलस्तीन मसले के सवाल पर भारत आंखें मूंदकर अरब संसार के साथ विगत दशकों में खड़ा रहा, पर बदले में भारत को वहां से कभी भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजराइल ने हमेशा भारत की हर तरह से मदद की और साथ खड़ा रहा. खैर, अब इजराइल में नए प्रधानमंत्री आ गए हैं। पर जैसे कि कहते हैं कि किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति तो स्थिर और स्थायी ही होती है। वह सत्ता परिवर्तन से नहीं बदलती। इसलिए मानकर चलें कि भारत-इजराइल के बीच मैत्री और आपसी सहयोग सघन और गहरा ही होता रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

ज्ञान गंगा

भीतर कुछ और..

आचार्य रजनीश ओशो/ एक रात ऐसा हुआ। एक घर में एक मां थी और उसकी बेटी थी। और उन दोनों को रात में उठ कर नींद में चलने की बीमारी और आदत थी। कोई तीन बजे होंगे रात में तब वह मां उठी और मकान के पीछे बगिया में पहुंच गई। नींद में ही स्लीप वॉकिंग की आदत थी, नींद में चलने की और बात करने की। वह मकान के पीछे बगिया में पहुंच गई। उसकी लड़की भी उठी, और वह भी थोड़ी देर बाद बगिया में पहुंच गई। जैसे ही उस बूढ़ी ने अपनी लड़की को देखा, वह जोर से चिल्लाई। चांडाल, तूने ही मेरी युवा अवस्था छीन ली है। तू जब से पैदा हुई तब से मैं की होनी शुरू हो गई। तू मेरी शत्रु है, तू न होती तो मैं अभी भी जवान होती। उस लड़की ने जैसे ही अपनी बूढ़ी मां को देखा, वह जोर से चिल्लाई कि दुष्ट, तेरे ही कारण मेरा जीवन एक संकट और बंधन बन गया है। मेरे जीवन के हर प्रवाह में तू रोड़े की तरह खड़ी हुई है। मेरे जीवन के लिए तू एक जंजीर बन गई है। और तभी मुर्गे ने बांग दी और उन दोनों की नींद खुल गई। लड़की को देखते ही कहा, बेटी, इतनी सुबह क्यों उठ आई? कहीं तुझे सर्दी न लग जाए। चल, भीतर चल! और उस लड़की ने जल्दी से अपनी की मां के पैर पड़े। सुबह से पैर पड़ने का उसका रोज का नियम था। और उसने कहा कि मां, तुम इतनी जल्दी उठ आई? तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं रहती है। इतनी जल्दी नहीं उठना चाहिए। आप चलिए और विश्राम करिए। और नींद में उन्होंने यह कहा और जाग कर उन्होंने यह कहा! नींद में आदमी जो कहता है वह जागने के बजाय ज्यादा सच्चा होता है, क्योंकि ज्यादा भीतरी होता है। सपने में जो आप देखते हैं, वह आपकी कहीं ज्यादा असलियत है, बजाय उसके जो रोज आप बाजार और भीड़ में देखते हैं। भीड़ का चेहरा बनाया हुआ कृत्रिम चेहरा है। ऊपर से आप बिल्कुल शांत और स्वस्थ मालूम होते हैं, भीतर सब अस्वस्थ और विक्षिप्त है। ऊपर से आप मुस्कुराते मालूम होते हैं, और हो सकता है कि सारी मुस्कुराहट भीतर आंसुओं के ढेर पर खड़ी हो। बल्कि बहुत संभावना यही है कि भीतर जो आंसू हैं, उनको छिपाने के लिए ही मुस्कुराहट का आपने अभ्यास कर लिया हो। आमतौर से आदमी यही करता है। नीत्शे से किसी ने एक बार पूछा कि तुम हमेशा हंसते रहते हो! इतने प्रसन्न हो! सच में ही क्या? नीत्शे ने कहा अगर तुमने पूछ ही लिया है तो मैं असलियत भी बता दूं। मैं इसलिए हंसता रहता हूं कि कहीं रोने न लगे। इसके पहले कि रोना शुरू हो जाए, मैं हंसी से उसको दबा लेता हूं।

काशी में गंगा का जल हरा हो गया

गिरीश्वर मिश्र

दो दिन हुए टीवी पर सूचना मिली कि काशी में गंगा का जल हरा हो गया है। प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है और उस जल का स्पर्श, स्नान, और पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकर होने से वर्जित कर दिया गया। युगों-युगों से काशी और वहां गंगा पर उपस्थिति दोनों मिलकर भारत के गौरव की श्री वृद्धि करते आये हैं। पुण्यतोया गंगा के महत्व को पहचान कर 'नमामि गंगे' परियोजना भी कई हजार करोड़ की लागत से शुरू हुई। इन सबके बावजूद वाराणसी शहर के पास हर तरह के प्रदूषण की वृद्धि ने गंगा को बड़ी क्षति पहुंचाई है। गंगा के प्रवाह को प्रदूषण मुक्त कर स्वच्छ बनाना राष्ट्रीय कर्तव्य है। गंगा-प्रदूषण की मात्रा में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है और इसके लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाना चाहिए। गंगा भारतीय संस्कृति की जीवित स्मृति है जो युगों-युगों से भौतिक जीवन को संभालने के साथ आध्यात्मिक जीवन को भी रससिक्त करती आ रही है। हिमालय से चलकर तमाम नदियों का जल समेटते हुए बंगाल की खाड़ी से होते हुए समुद्र तक पहुँचने की भौगोलिक यात्रा एक तथ्य है परन्तु लोक मानस में गंगा नदी से ज्यादा एक मान, पापनाशिनी और मोक्षदायिनी जाने कितने रूपों में बसी हुई है। गंगा-स्नान की लालसा सबको गंगा की और लौटने के लिए आमंत्रित और उन्मथित करती रहती है। गंगा नाम लेना और उनका दर्शन मन को पवित्र करता है। गंगा जल लोग आदर से घर ले जाते हैं और प्रेमपूर्वक सहेज कर रखते हैं। गंगा भारत की सनातन संस्कृति का अविरल प्रवाह है और साक्षी है उसकी जीवन्तता का। कहते हैं भागीरथ ने बड़े श्रम से गंगा को धरती पर अवतरित किया था इसीलिए वह 'भागीरथी' भी कहलाती हैं। कथा के अनुसार राजा सगर के वंशज भगीरथ ने बड़ा तप किया तब कहीं भगवान विष्णु के चरणों से बिंदु-बिंदु निकलीं जिसे ब्रह्मा ने झट से अपने कमंडलु में रख लिया। ब्रह्मा को भी भगीरथ ने तप से प्रसन्न किया और तब गंगा का प्रवाह निकला जिसे भगवान शिव ने अपनी जटा में धारण कर लिया। भागीरथ ने फिर तप किया और तब जाकर गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ। गंगा प्रतीक है शुभ्रता का, पवित्रता का, ऊष्मा का, स्वास्थ्य और कल्याण का। भौगोलिक रूप से मध्य हिमालय के अन्दर ऊंचाई पर स्थित कई ग्लेशियरों से जल उपलब्ध होता है। फिर वह गोमुख में एकत्र होता है और वहां से आगे की यात्रा पर निकलता है। आगे चलकर वनों से होते हुए कई प्रवाह समेट कर भागीरथी प्रकट होती है। इसी में केदारनाथ में मंदाकिनी मिलती है जो फिर अलकनंदा से देवप्रयाग में मिलती है। ऋषीकेश से होकर भागीरथी हरद्वार पहुंचती है और फिर गंगा का रूप लेती है। आगे राम गंगा, यमुना से मिलती है। प्रयाग में संगम है जहां गंगा तट पर प्रतिवर्ष विश्व का अद्भुत मेला लगता है। बारह वर्ष पर कुम्भ होता है। फिर गंगा प्रसिद्ध शिव नगरी काशी पहुंचती है जिसे वाराणसी भी कहते हैं। यह अत्यंत प्राचीन नगर अर्धचन्द्र की तरह गंगा से घिरा है। मानों शिव अपने कपाल पर अर्धचन्द्र धारण किये हों। यहाँ से आगे चलकर गंगा घाघरा, सोन, गंडक, वागमती, कोशी तीस्ता आदि नदियों से मिलती है। इसकी दो धाराएं भी बनती हैं- हुबली और पद्मा। हुबली कोलकाता होकर गंगा सागर में बंगाल की खाड़ी में मिलकर समुद्र तक यात्रा पूरी होती है। गंगा ने राजनैतिक इतिहास के उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। इसके तट पर तपस्वी, साधु-संत बसते रहे हैं और आध्यात्म की साधना भी होती आ रही है। गंगा के निकट साल भर उत्सव की झड़ी लगी रहती है। मान गंगा दु:ख और पीड़ा में सांत्वना देने का काम करती है। जीवन और मरण दोनों से जुड़ी है। पतित पावनी गंगा मृत्यु लोक में जीवन दायिनी मां है। गंगा का नाम लेकर उनका आवाहन कर जिस जल का स्पर्श करते हैं वह भी गंगा भाव से भर उठता है। पर गंगा की कृपा से निकटवर्ती क्षेत्र में खेती भी उपजाऊ है। कभी गंगा में जल मार्ग से व्यापार भी होता था जिसकी ओर फिर ध्यान दिया जा रहा है। इन सबके बावजूद नगरों का सारा कचरा और उद्योगों के दूषित सामग्री के अनियंत्रित मेल से गंगा अनेक स्थानों पर विषाक्त सी हो रही है। यह खतरे का संकेत है। आज मनुष्य भूल गया है कि वह धरती का सहजीवी है स्वामी नहीं है। उसने धरती, हवा, पानी सब पर अधिकार जमा लिया है। जीवन के विकास की कथा की मानें तो मनुष्य ने धरती, पशु, वनस्पति, खनिज पदार्थ आदि प्रकृति के विभिन्न अवयवों पर कब्जा कर अपने उपनिवेश का विस्तार किया और प्रकृति की जीवन-संहिता का उल्लंघन करना शुरू किया। मनुष्य ने प्रकृति के साथ द्रोह की जो ठानी उसके दुष्परिणाम आ रहे हैं और वे हमें चेताते हैं कि संभल जाओ पर अहंकार और आलस्य में हम उन संकेतों की उपेक्षा करते रहते हैं। मनुष्य केन्द्रित दृष्टि में शेष जगत उपभोग की वस्तु हो जाता है और फिर हम उसका अंधाधुंध शोषण करते हैं जो जीवन की कीमत पर होता है। हमारी भोगवादी विकास दृष्टि ने भागीरथी और गंगा का दोहन, शोषण और प्रदूषण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गंगा की जीवनी शक्ति पर लगातार प्रहार हो रहे हैं। गंगा जीवन का प्रतीक है और भारत की सांस्कृतिक पहचान बनाने में उसकी प्रमुख भूमिका है। काशी ही नहीं अनेक तीर्थ गंगा से ही अपनी तेजस्विता ग्रहण करते हैं। कभी रीति काल के प्रमुख कवि पद्माकर ने कहा था: छेम की लहर, गंगा रावरी लहर ; कलिकाल को कहर, जम जाल को जहर है। अब स्थिति ऐसी पल्टा खा रही है कि गंगा का स्वयं का क्षेम की खतरे में है। काशी प्रधानमंत्री जी का क्षेत्र है और काशी में गंगा को प्रदूषण मुक्त करने का तत्काल यत्न जरूरी है। गंगाविहीन देश भारत देश कहलाने का अधिकार खो बैठेगा। (लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट टैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफोरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीई तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।

भारत में वर्ष 2026 तक 33 करोड़ ग्राहक यूज़ कर रहे होंगे 5जी फोन्सः एरिक्सन

नेशनल डेस्क। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एरिक्सन ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि भारत में वर्ष 2026 तक 33 करोड़ 5जी ग्राहक होने की उम्मीद है और इस दौरान प्रति स्मार्टफोन मासिक डेटा खपत तीन गुना बढ़कर 40 गीगाबाइट हो सकती है। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट 2021 के अनुसार भारत प्रति स्मार्टफोन औसत डेटा खपत के लिहाज से 14.6 जीबी प्रति माह के साथ दुनिया में दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत में 4जी ग्राहकों की संख्या 2020 में 68 करोड़ से बढ़कर 2026 में 83 करोड़ होने का अनुमान है। इसी तरह वर्ष 2026 के अंत तक भारत के कुल मोबाइल ग्राहकों में 5जी की हिस्सेदारी करीब 26 प्रतिशत होगी। एरिक्सन इंडिया के प्रमुख नितिन बंसल ने कहा कि कंपनी ने भारत में एक सर्वेक्षण में पाया कि भारत के बड़े शहरों में रहने वाले 42 प्रतिशत उपयोगकर्ता, जो घरेलू इंटरनेट कनेक्शन के रूप में 4जी का इस्तेमाल करते हैं, वे 5जी फिक्स्ड वायरलेस कनेक्शन का इस्तेमाल करने में दिलचस्पी रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 50 प्रतिशत उपभोक्ता 5जी के लिए 50 प्रतिशत तक अधिक भुगतान करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उन्हें कई डिजिटल सेवाएं एक साथ मिलें। चार करोड़ उपयोगकर्ता ने कहा कि वे 5जी सेवा आने के पहले सार में ही इसे ले सकते हैं।

यूएस सीडीसी ने डेल्टा कोविड-19 स्ट्रेन को बताया चिंताजनक

वाशिंगटन। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने कोविड-19 के डेल्टा स्ट्रेन को चिंता के एक प्रकार के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया है, जो इसके अधिक संचरणीय होने के बढ़ते सबूत के आधार पर है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। सीडीसी का वर्गीकरण कोविड-19 के तीन वेरिएंट यानी प्रकारों को परिभाषित करता है, जिनमें रुचि के प्रकार, चिंता के प्रकार और उच्च परिणाम से संबंधित वेरिएंट शामिल हैं। अन्य वेरिएंट, जो अमेरिका में सकुर्लेट हो रहे हैं, जिन्हें सीडीसी द्वारा चिंता के वेरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया गया है, उनमें बी117 (अल्फा), बी1351 (बीटा), पी1 (गामा), बी1427 (एप्सिलॉन), बी16172 (एप्सिलॉन) और बी16172 (डेल्टा) शामिल हैं। फॉक्स न्यूज ने सीडीसी के हवाले से कहा, सीडीसी और एसएआरएस-सीओवी-2 इंटरएजेंसी ग्रुप वेरिएंट के वर्गीकरण का आकलन करने के लिए उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य और जीनोमिक निगरानी डेटा की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। सीडीसी के अनुसार, एक प्रकार की वर्गीकरण स्थिति बदल सकती है, क्योंकि अधिकारी उनके बारे में अधिक जाना है। सीडीसी ने मंगलवार को कहा कि डेल्टा वेरिएंट, जो पहली बार भारत में पाया गया था, अमेरिका सहित कम से कम 66 देशों में फैल गया है। इस सप्ताह की शुरूआत में, ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि बायोएनटेक/फाइजर वैक्सीन की दो खुराक डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ 96 प्रतिशत प्रभावी हैं । जिन्हें इन वैक्सीन की दोनो डोज मिल गई हैं, उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना न के बराबर है। नए आंकड़ों के अनुसार, डेल्टा अब अमेरिकी मामलों का लगभग 10 प्रतिशत है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के पूर्व आयुक्त स्कॉट गॉटलिब ने हाल ही में कहा है कि वैरिएंट अमेरिका में नए संक्रमणों का प्रमुख स्रोत बनने की संभावना है और सितंबर तक नए प्रकोप का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा, अभी संयुक्त राज्य अमेरिका में यह संक्रमण लगभग 10 प्रतिशत है। यह हर दो सप्ताह में दोगुना हो रहा है। गॉटलिब ने रविवार को सीबीएस फेस द नेशन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही थी। हालांकि, गॉटलिब ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका में उपयोग के लिए स्वीकृत एमआरएनए कोविड-19 टीके काफी प्रभावी हैं और इस संक्रमण के खिलाफ दो डोज लोगों को वायरस से काफी हद से बचाती हैं।

गूगल पे ने कुछ और भारतीय बैंकों के साथ कार्ड टोकन का विस्तार किया

नई दिल्ली।

गूगल पे ने बुधवार को कुछ और नए बैंकों के साथ मिलकर अपने कार्ड टोकनाइजेशन फीचर का विस्तार करने की घोषणा की, जो यूजर्स को अपने फोन से जुड़े सुरक्षित डिजिटल टोकन के जरिए डेबिट या क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने में सक्षम बनाएगा।कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई कार्डस और एक्सिस बैंक के साथ टोकन शुरू करने के बाद, गूगल पे ने अब एसबीआई, इंडसइंड बैंक और फेडरल बैंक के डेबिट कार्ड और इंडसइंड बैंक और एचएसबीसी इंडिया के क्रेडिट कार्ड को अपनी स्लेट में जोड़ा है। गूगल पे और एनबीयू-एपीएसी के बिजनेस हेड साजिथ शिवानंदन ने कहा, हमें उम्मीद है कि टोकन फीचर यूजर्स को मौजूदा समय में सुरक्षित और सुरक्षित लेनदेन करने और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से मर्चेंट ट्रांजैक्शन का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह सुविधा ऑनलाइन व्यापारियों के साथ भी काम करती है, जो उपयोगकर्ताओं को 3 डी सिक्योर साइटों पर पुनर्निर्देशित किए बिना अधिक देशी और निर्बाध ओटीपी अनुभव देती है। टोकनकरण के साथ, गूगल पे 25 लाख से अधिक वीजा मर्चेंट स्थानों पर संपर्क रहित भुगतान करने के लिए उपभोक्ताओं को नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) सक्षम उपकरणों/फोन का उपयोग करने में मदद करने के लिए सुरक्षित और सुरक्षित ओमनी चैनल अनुभव सक्षम करेगा। यह 1.5 मिलियन से अधिक भारत क्यूआर सक्षम व्यापारियों को स्कैन करने और भुगतान करने में मदद करेगा और उनके क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके उनके गूगल पे ऐप से बिल और रिचार्ज का भुगतान करेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, उप प्रबंध निदेशक (रणनीति) और मुख्य डिजिटल अधिकारी रवींद्र पांडे ने कहा, गूगल पे के साथ एसबीआई डेबिट कार्ड का टोकन हमारे ग्राहकों को खरीदारी के दौरान अपने डेबिट कार्ड अपने साथ ले जाने की चिंता किए बिना टैप एंड पे तंत्र में प्रवेश करने में सक्षम करेगा।

फिजी ने अधिक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कानूनों में बदलाव किए

सुवा।

फिजी में विदेशी और घरेलू निवेश प्रस्तावों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया अधिक व्यापार अनुकूल बनने के लिए तैयार है। सरकार के स्वामित्व वाली फिजी ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन समाचार वेबसाइट ने बुधवार को सूचना दी कि यह फिजी के वाणिज्य, व्यापार, पर्यटन और परिवहन मंत्रालय द्वारा फिजी के निवेश नियामक ढांचे को और अधिक अनुकूल बनाने के लिए हाल ही में किए गए सुधारों का अनुसरण करता है। इसका मतलब है कि फिजी निवेश अधिनियम प्रमुख क्षेत्रों में विदेशी और घरेलू निवेश को आकर्षित करने के लिए फिजी अपनी क्षमता में वृद्धि करेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा, ज्ञान और प्रौद्योगिकी गहन रोजगार पैदा करना और फिजी की अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक रिकवरी में मदद करना है। इस महीने फिजी की संसद द्वारा पारित, नया कानून, जो 1999 के विदेशी निवेश अधिनियम की जगह बना है, घरेलू हितों, आरक्षित और प्रतिबंधित गतिविधियों पर प्रावधान में घरेलू व्यवसायों की भी रक्षा करता है।

हुंडई मोटर चीफ ने अमेरिकी यात्रा के दौरान खुद गाड़ी चलाकर किया टेस्ट

सियोल।

हुंडई मोटर ग्रुप के चेयरमैन चुंग यूसुन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक स्वायत्त वाहन संयुक्त उद्यम का दौरा किया है और विकास के तहत एक वाहन का टेस्ट किया है क्योंकि दक्षिण कोरियाई ऑटो बनाने वाली कंपनी भविष्य के गतिशीलता समाधानों में नए व्यावसायिक अवसरों की खोज कर रही है। हुंडई मोटर ने कहा, चुंग ने मोशन के बोस्टन मुख्यालय की अपनी यात्रा के दौरान खुद गाड़ी चलाकर आईयोनिक 5 इलेक्ट्रिक वाहन का टेस्ट किया और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पार्टनरशिप का विस्तार करने के तरीकों पर चर्चा की। मार्च 2020 में हुंडई मोटर और यूएस मोबिलिटी स्टार्टअप अपटिव के 400 करोड़ डॉलर के ज्वाइंट वेंचर के गठन के बाद से अध्यक्ष ने मोशनल की अपनी पहली यात्रा की। मोशनल ने फरवरी में लास वेगास में सड़कों पर सेल्फ-ड्राइविंग वाहनों का टेस्ट किया था, जो लेवल 4 ऑटोनॉमी हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनियों में से एक बन गई। लेवल 4 पर एक वाहन सीमित परिस्थितियों में खुद चला सकते हैं और यदि सभी आवश्यक शर्तें पूरी नहीं होती हैं तो वह संचालित नहीं होगा। स्तर 5 पर, वाहन की स्वचालित ड्राइविंग सुविधाएं किसी भी परिस्थिति में ड्राइव कर सकती हैं। ऑटोमेकर ने कहा कि मोशन का लक्ष्य राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म लिफ्ट के साथ साझेदारी में 2023 तक चुनिंदा अमेरिकी मार्गों पर एक वाणिज्यिक रोबोटैक्सी सेवा शुरू करना है और हुंडई का आईयोनिक 5 टेस्ट के लिए सड़कों पर हैहुंडई ने कहा कि चुंग ने अपने अधिकारियों के साथ नए रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी रुझानों पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी रोबोटिक्स स्टार्टअप बोस्टन डायनेमिक्स का भी दौरा किया।

शेयर बाजारों में जारी तेजी पर लगा विराम, सेंसेक्स, निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई से नीचे हुए बंद

नेशनल डेस्क।

घरेलू शेयर बाजारों में चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर बुधवार को विराम लग गया और दोनों प्रमुख सूचकांक -बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई से नीचे बंद हुए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समीक्षा बैठक के परिणाम आने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडएफसी तथा एचडीएफसी बैंक में जोरदार बिकवाली से यह गिरावट आयी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 271.07 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,501.98 पर बंद हुआ। मंगलवार को यह 52,773.05 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ था। एनएसई निफ्टी भी 101.70 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूटकर रिकार्ड स्तर से नीचे 15,767.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में पावरग्रिड का शेयर रहा। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एल एंड टी, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ नेस्ले, एनटीपीसी, ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा से पहले वैश्विक बाजारों में सतर्क रुख के साथ घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट आयी।

अमेरिका में कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति प्रवृत्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि फेडरल रिजर्व नरम रुख बनाये रखता है और अल्पकालीन मुद्रास्फीति दबाव को लेकर शांत टिप्पणी करता है, तो इससे बाजार में तेजी आ सकती है। चाइस ब्रोकिंग ने एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के निर्णय से पहले घरेलू बाजार पर कमजोर वैश्विक रुख का असर रहा। निफ्टी में गिरावट का एक प्रमुख कारण खासकर धातु और वित्तीय शेयरों में बिकवाली है। सूचकांक के नीचे आने में रिलायंस, अडाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी का मुख्य योगदान रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि एशियाई बाजारों में कमजोर रुख तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैठक के नतीजे आने से पहले घरेलू शेयर बाजारों में चार दिन से जारी तेजी पर विराम लगा और दोनों मानक सूचकां रिकार्ड ऊंचाई से नीचे बंद हुए। मझोली कंपनियों और छोटी कंपनियों के सूचकांक में क्रमशः 0.95 प्रतिशत और 0.68 प्रतिशत की गिरावट आयी। खंडवार सूचकांकों में बीएसई धातु 2.58 प्रतिशत, बीएसई इंडस्ट्री 1.62 प्रतिशत, बीएसई ऊर्जा 1.43 प्रतिशत, बीएसई पावर 1.33 प्रतिशत और बीएसई धातु 1.32 प्रतिशत नीचे आये। एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। शंघाई, हांगकांग और तोक्यो नुकसान में रहे जबकि सोल लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर 74.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर एक पैसे की मामूली गिरावट के साथ 73.32 पर रही। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 633.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीद की।

आर्थिक मोर्चे पर भी चीन को मिला जवाब, 43प्रतिशत भारतीयों ने एक साल में नहीं खरीदा चीनी सामान

नई दिल्लीः

लद्दाख के पास गलवान घाटी में चीनी सैनिकों से बीते साल हुई झड़प में भारतीय सेना के जांबाजों ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। यही नहीं तब से अब तक एक साल में आर्थिक मोर्चे पर भी लोगों ने चीन को किनारे लगाने का प्रयास किया है। एक सर्वे के मुताबिक ऐसे 43 प्रतिशत भारतीय हैं, जिन्होंने पिछले 12 महीनों में चीन में बना कोई भी उत्पाद नहीं खरीदा है। कम्यूनिटी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'लोकल सर्कल्स' के सर्वे के मुताबिक जिन लोगों ने चीन में बने उत्पादों की खरीद भी की, उनका कहना है कि ऐसा उन्होंने 1 से दो बार ही किया है।

केंद्र सरकार की ओर से चीन के 100 से ज्यादा ऐप्स पर बैन और स्वदेशी सामानों की मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की नीति के बीच यह सर्वे आया है। बीते साल चीन की ओर से सीमा पर खूनी झड़प किए जाने के बाद भारत सरकार ने टिकटॉक, अली एक्सप्रैस समेत कई ऐप्स को बैन कर दिया था। यही नहीं गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत पर देश भर में गुस्सा था और कई बार चीनी उत्पादों के बहिष्कार की भी अपील की गई थी। लोकल सर्कल्स की ओर से बीते साल नवम्बर में भी ऐसा ही एक सर्वे किया गया था, जिसके मुताबिक उस वक्त 71 फीसदी भारतीयों ने चीन में बने किसी सामान की खरीद नहीं की थी।

भारतीय ट्रेड में चीन की बड़ी हिस्सेदारी

भारत के ट्रेड में चीन की हिस्सेदारी की बात करें तो इंटरमीडिएट गुड्स के लिए भारतीय इंपोर्ट में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी चीन की है, कैपिटल गुड्स में 30 और कंज्यूमर गुड्स में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि सर्वे रिपोर्ट में कहा गया कि 2020 में चीन के साथ ट्रेड के आंकड़े 5.6 प्रतिशत गिरकर 87.6 अरब डॉलर पर आ गए थे, लेकिन 2021 के शुरूआती 5 महीने में चाइनीज इंपोर्ट 42 प्रतिशत बढ़ गया क्योंकि भारत ने महामारी के दौरान चीन से बड़ी संख्या में लाइफ सेविंग इक्विपमैंट और मैडीकल ऑक्सीजन इक्विपमैंट मंगवाए।

281 जिलों के 18,000 लोग सर्वे में शामिल

मौजूदा सर्वे में देश के 281 जिलों के 18,000 लोगों को शामिल किया गया था। सर्वे में शामिल ज्यादातर लोगों ने चीनी सामान की खरीद के पीछे कम दाम और पैसे की बचत को वजह बताया। कुछ लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने चीन में बने उत्पादों की क्वॉलिटी को भी खरीदने की वजह बताया। बीते एक साल में चीन का सामान खरीदने वाले लोगों में से 70 फीसदी ने बताया कि उन्होंने इसलिए इसे लिया क्योंकि पैसे की बचत हो रही थी। चीन का सामान खरीदने वाले सर्वे में शामिल लोगों में से 14 फीसदी ने बताया कि बीते एक साल में उन्होंने 3 से 5 चीजें खरीदीं। इसके अलावा 7 प्रतिशत लोग ऐसे रहे हैं, जिनका कहना था कि उन्होंने 5-10 आइटम्स ऐसी खरीदीं, जो चीन में बनी थीं।

जियो की 4जी डाउनलोडिंग स्पीड मई में रही सबसे अधिक, अपलोड में वोडाफोन आइडिया निकली आगे

नेशनल डेस्क।

दूरसंचार नियामक ट्राई के ताजा आंकड़ों के अनुसार मई में रिलायंस जियो 4जी सेगमेंट में 20.7 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) औसत डाउनलोड स्पीड के साथ शीर्ष पर रही, जबकि 6.7 एमबीपीएस डेटा स्पीड के साथ अपलोड सेगमेंट में वोडाफोन आइडिया आगे रही। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान रिलायंस जियो 4जी नेटवर्क की गति में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन यह निकटतम प्रतिस्पर्धी वोडाफोन आइडिया के मुकाबले तीन गुना अधिक थी। वोडाफोन आइडिया की औसत डाउनलोड स्पीड 6.3 एमबीपीएस थी। वोडाफोन और आइडिया के अगस्त 2018 में विलय के बाद पहली बार ट्राई उनकी नेटवर्क स्पीड को जोड़ा है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा आठ जून को प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार एयरटेल की औसत गति सबसे कम 4.7 एमबीपीएस थी। आपको बता दें कि डाउनलोड स्पीड यूजर्स को इंटरनेट से सामग्री तक पहुंचने में मदद करती है, जबकि अपलोड गति उन्हें अपने संपर्कों को चित्र या वीडियो भेजने या साझा करने में मदद करती है। ट्राई के मुताबिक वोडाफोन आइडिया की मई में औसत अपलोड स्पीड 6.3 एमबीपीएस थी। इसके बाद रिलायंस जियो की अपलोड स्पीड 4.2 एमबीपीएस और भारती एयरटेल की 3.6 एमबीपीएस रही। सरकारी कंपनी बीएसएनएल ने चुनिंदा क्षेत्रों में 4जी सेवा शुरू की है लेकिन इसकी नेटवर्क गति ट्राई के चार्ट में नहीं है।

यूपी बना फूड प्रोसेसिंग के लिए उद्योगपतियों का पसंदीदा क्षेत्र

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए फूड प्रोसेसिंग उद्योगपतियों का पसंदीदा क्षेत्र बन गया है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार देश-विदेश के कई बड़े उद्योगपतियों ने राज्य में अपनी खुद की फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की पहल की हैं। पिछले चार वर्षों में इन उद्योगपतियों ने 9105.58 करोड़ रुपये की लागत से 139 फूड प्रोसेसिंग यूनिट (कारखाने) स्थापित करने के लिए सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जिनमें से 101 फूड प्रोसेसिंग कारखानों में उत्पादन शुरू हो गया है। इन फूड प्रोसेसिंग कारखानों की स्थापना पर खर्च किए गए कुल 4,074.02 करोड़ रुपये के साथ, इसने 20,176 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। उत्तर प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार है जब फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में इतना बड़ा निवेश किया गया है।प्रवक्ता ने बताया कि 38 फैक्ट्रियों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके 2021 के अंत तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। 5,031.31 करोड़ रुपये के निवेश से ये फैक्ट्रियां अतिरिक्त 21,111 लोगों के लिए रोजगार पैदा करेंगी।जिन कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश किया है उनमें लखनऊ में एसएलएमजी प्राइवेट लिमिटेड - 300 करोड़ रुपये, बरेली में बीएल एग्रो - 160 करोड़ रुपये, रामपुर में खट्टर एडिबल्स प्राइवेट लिमिटेड - 150 करोड़ रुपये, बाराबंकी में ऑर्गेनिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्लांट - 55 करोड़ रुपये, गौतम बुद्ध नगर में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड - 2,118 करोड़ रुपये, मथुरा में पेप्सिको - 514 करोड़ रुपये और गौतम बुद्ध नगर में हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड - 490 करोड़ रुपये शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा, उत्तर प्रदेश अपार संभावनाओं वाला राज्य है और देश में गन्ना, लौकी, मटर, आलू, कस्तूरी (कस्तूरी), तरबूज, कद्दू और दूध का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है और फिर भी पिछली सरकारों द्वारा क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया।

क्या आपका क्लाउड स्टोरेज अब मुफ्त नहीं रह गया?

ऋपिछले पाँच सालों से विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम के उपभोक्ता डेटा के बैकअप एवं उसे सुरक्षित रखने के लिए अपने फोन के सीमित इंटरनल स्टोरेज एवं मुफ्त क्लाउड स्टोरेज पर निर्भर रहे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए यह प्रस्ताव केवल तब तक दिलचस्प था, जब तक यह मुफ्त था। अब उपभोक्ता मासिक सब्सक्रिप्शन से छुटकारा पाने के लिए विकल्प तलाश रहे हैं और डब्लूडी एवं सैनडिस्क जैसे ब्रांड्स के पास अनेक स्टोरेज समाधान हैं। मासिक सब्सक्रिप्शन के बदले एक बार निवेश यूज़र्स को बार बार होने वाले खर्चों से बचाता है और वो अपना डेटा अपने साथ लेकर कहीं भी जा सकते हैं। नीचे कुछ ठोस सुझाव दिए जा रहे हैं:

एप्पल डिवाईसेस के लिए सैनडिस्क आईएक्सपैंड फ्लैश ड्राईव लक्से

एप्पल यूज़र्स अपने व्यक्तिगत डेटा के बैकअप को लेकर उलझन में रहते हैं और पहले कुछ महीनों में ही आपके आईफोन की स्टोरेज क्षमता पूरी भर जाने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसका एक वन स्टॉप एवं सुगम समाधान हाल ही लॉन्च की गई सैनडिस्क आईएक्सपैंड फ्लैश ड्राईव लक्से है।

यह ड्युअल लाईटनिंग एवं यूएसबी टाईप-सी कनेक्टर के साथ वेस्टर्न डिज़िटल की पहली फ्लैश ड्राईव है, जिसके द्वारा यूज़र्स बिना मुश्किल के अपने डेटा को सेव कर उसका बैकअप ले सकते हैं। यह आसान एक्सेस प्रदान करती है तथा विभिन्न एप्पल डिवाईसेस एवं एन्ड्रॉयड स्मार्टफोन सहित यूएसबी टाईप-सी डिवाईसेस के बीच फाईल्स के आदान-प्रदान का सुगम अनुभव प्रदान करती है। यदि आप स्पेस को फ्री करना चाहते हैं और/या खराब इंटरनेट कनेक्शन के सरदर्द के बिना अपने कंटेंट का ऑटोमैटिक रूप से बैकअप लेना चाहते हैं, तो यह ड्राईव आपके लिए उपयोगी है।

न्यू रेंज रोवर वेलार भारत में 79.87 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च की गई

मुंबई। जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज यह घोषणा की कि कंपनी ने भारत में न्यू रेंज की रोवर वेलार की डिलिवरी करनी शुरू कर दी है। नई वेलार आर-डायनेमिक एस ट्रिम में इंजीनियम 2.0 लीटर के पेट्रोल और डीजल पावरट्रेन्स पर उपलब्ध है। 2.0 लीटर का पेट्रोल इंजन 18 4 किलोवॉट की पावर और 365 एनएम टोर्क प्रदान करता है। इसका 2.0 लीटर का डीजल इंजन 150 किलोवॉट और 430 एनएम का टोर्क प्रदान करता है। भारत में न्यू रेंज रोवर वेलार की एक्सशोरूम प्राइस और शुरुआती कीमत 79.87 लाख रूपये रखी गई है।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने कहा, "रेंज रोवर एसयूवी भारत की सबसे महत्वाकांक्षी एसयूवी में से एक है। अपने सबसे अलग हटकर शानदार डिजाइन, लक्जरी और तकनीक के चलते यह बहुत से लोगों की पसंदीदा एसयूवी बन गई हैं। रेंज रोवर ने अपने नए अवतार में आधुनिक टेक्नोलॉजी और कस्टमर्स को सुविधाएं देने के नए फीचर्स शामिल किए हैं, जिससे पहले की तुलना में अब रेंज रोवर वेलार की जरूरत काफी बढ़ गई है और अब इसे काफी लोग पसंद करने लगे हैं।"

नई रेंज लैंड रोवर वेलार कई आकर्षक नए फीचर्स के साथ लॉन्च की गई है। इसमें 3 डी सराउंड कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक एयर सस्पेंशन, पीएम 2.5 फिल्टर के साथ केबिन एयर आयाइजेशन और नया पिवी इनफोटनमेंट सिस्टम शामिल है। यह पहले की तुलना में ज्यादा साफ, सुरक्षित और स्मार्ट है। यह दुनिया की तकनीकी रूप से सबसे एडवांस्ड लग्जरी एसयूवी है। न्यू रेंज रोवर वेलार के संबंध में और जानने के लिए कृपया www.landrover.in. पर जाएं।

यूरो 2020 : पुर्तगाल ने हंगरी को 3-0 से हराया, रोनाल्डो ने बनाया यह रिकॉर्ड

बुडापेस्ट । क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उनके दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने हंगरी को मंगलवार को 3-0 से हरा दिया। रोनाल्डो ने 87वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट पर गोल किया और फिर इंजुरी टाइम में दूसरा गोल दागा। यह पूरी संख्या में दर्शकों के बीच खेला जाने वाला यूरो 2020 का पहला मैच था। पुस्कास एरेना में 67215 दर्शक मौजूद थे जिनमें से अधिकांश हंगरी के समर्थक थे। हंगरी ही दस मेजबान देशों में अकेला है जिसने शत प्रतिशत दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी है। युवेंटस के फॉरवर्ड रोनाल्डो की यह पांचवीं यूरो चैम्पियनशिप है जिन्होंने 2004 में पहली बार खेला था। उनके माइकल प्लातिनी के समान नौ गोल थे लेकिन 87वें मिनट में उन्होंने रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया । 36 वर्ष के रोनाल्डो लगातार पांच यूरो चैम्पियनशिप में गोल करने वाले अकेले खिलाड़ी बन गए। पुर्तगाल के लिए पहला गोल डिफेंडर रफेल गुरेइरो ने तीसरे मिनट में दागा।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम घोषित

न्यूजीलैंड टीम पर बायो बबल के नियम तोड़ने का आरोप लगाया

साउथम्पटन (एजेंसी)।

भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 18 जून से होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। भारतीय प्रबंधन ने टीम घोषित किये जाने के अलावा न्यूजीलैंड टीम पर बायो बबल के नियमों को तोड़ने का भी आरोप लगाया है। आईसीसी ने न्यूज़ीलैंड की टीम के 6 सदस्यों को करीब के एक गोल्फ कोर्स में जाने की अनुमति दे दी गई जिसपर भारतीय पक्ष ने आपत्ति जतायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी, हेनरी निकोल्स, मिशेल सेंटनर, डेरिल मिशेल और फिजियो टॉय सिमसेक गोल्फ कोर्स गए थे। यह गोल्फ कोर्स एजिस बॉल के परिसर में ही स्थित है लेकिन भारतीय टीम का कहना है कि नियम दोनों टीमों के लिए एक समान होने चाहिए। एक भारतीय टीम सदस्य ने कहा, 'खिलाड़ियों और उनके परिवारों से कहा गया है कि वे होटल में अपने सम्बंधित फ्लोर से बाहर न निकलें जब तक मैदान में न जाना हो लेकिन आज सुबह हमें पता चला कि 6 कीवी खिलाड़ी गोल्फ कोर्स में खेलने गए थे। वहीं दूसरी ओर आईसीसी ने कहा कि बायो बबल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है और अब टीम ने अपनी क्वारंटीन अवधि पूरी कर ली है, इसलिए वे अब बायो सुरक्षित बबल के आसपास ज्यादा आजादी से घूम फिर सकते हैं जिसमें गोल्फ खेलना भी शामिल है। न्यूज़ीलैंड की पूरी टीम 2 टेस्टों की सीरीज के लिए ईसीबी के बायो सुरक्षित वातावरण में थी और उसे सोमवार को आईसीसी वातावरण में शिफ्ट किया गया था। इस बीच भारतीय टीम को 24 सदस्यों से कम करते हुए 15 सदस्यों का किया गया है। वहीं शेष खिलाड़ियों और उनके परिवारों को लंदन भेज दिया है। भारतीय टीम से रिलीज किए गए खिलाड़ी लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुन्दर, शार्दुल ठाकुर, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा आवेश खान और अर्जन नागवसवाला है जिन्हें सलाह दी गई है कि वे मैच को स्टैंड्स से देख सकते हैं और फाइनल के दौरान खिलाड़ियों से नहीं जुड़ सकते।

भारत की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्या रहाणे , ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन , मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, हनुमा विहारी, रिद्धिमान साहा और उमेश यादव।

दुती चंद को टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की धाविका दुती चंद ने बुधवार को कहा कि उन्हें टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। दुती ने कहा, मेरी विश्व रैंकिंग 42 है और 56 धावक महिला 100 मीटर डेश में ओलपिक में भाग ले सकते हैं। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के दो तरीके हैं। एक विश्व रैंकिंग के जरिए और दूसरा विश्व एथलेटिक्स द्वारा क्वालीफिकेशन मार्क को हासिल करके। टोक्यो ओलंपिक के लिए विश्व एथलेटिक्स ने ट्रैक और फील्ड इवेंट के लिए कड़ा क्वालीफिकेशन स्टेंडर्ड रखा है और कोटा हासिल करने की डेडलाइन 29 जून है। महिला 100 मीटर के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन स्टेंडर्ड 11.15 सेकेंड का है जबकि दुती का निजी सर्वश्रेष्ठ 11.22 सेकेंड है। दुती ने कहा, मैं पटियाला में 25 जून को होने वाले इंडियन ग्रां प्री में 11.15 सेकेंड का समय हासिल करने की कोशिश करूंगी। अगर मैं यह मौका गंवा बैठी तो मेरे पास राष्ट्रीय इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ओलंपिक मार्क हासिल करने का अवसर होगा। 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर दुती महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उम्मीद की जा रही है कि 29 जून को डेडलाइन खत्म होने से पहले महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकती है। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से होना है।

विंबलडन 2021 : मरे और वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन (एजेंसी)।

पूर्व चैंपियन ब्रिटेन के एंडी मरे और अमेरिका की वीनस विलियमस को 28 जून से शुरू होने वाले विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। यहां आल इंग्लैंड क्लब में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में 34 साल के मरे 2013 और 2016 में पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन रह चुके हैं। वहीं, 40 साल की वीनस महिला एकल वर्ग में पांच बार विंबलडन का खिताब अपने नाम कर चुकी है। पुरुष एकल वर्ग में मरे के अलावा फ्रेंच ओपन के तीसरे राउंड में पहुंचने वाले युवा खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज, लियाम ब्रोडी, जय क्लार्क और जैक ड्रेपर को भी वाइल्ड कार्ड मिला है। फ्रेंच ओपन से हटने वाली दुनिया की नंबर दो महिला टेनिस खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका अभी भी विंबलडन की एंट्री लिस्ट में है। कोरोना के बाद से ब्रिटेन में यह पहला टूर्नामेंट है, जिसका आयोजन आउटडोर हो रहा है। 28 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में 50 फीसदी दर्शकों स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा।

भारत की चार गुणा 400 मीटर पुरुष रिले टीम की नजरें ओलंपिक क्वालीफाई पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम 21 जून को पटियाला में होने वाले इंडियन ग्रां प्री (आईजीपी) में टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए एलिमिनेशन से बचने और प्रतियोगिता में बने रहने की कोशिश करेगी। एक राष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच ने आईएएनएस से कहा, पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम को आईजीपी कार्यक्रम में शामिल करने से एथलीटों को 29 जून की समय सीमा से पहले अपने समय में सुधार करने का मौका मिलेगा। भारत की विश्व रैंक 15 है जबकि शीर्ष 16 टीमें ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र हैं। उन्होंने कहा, जुलाई 2019 में तुर्की में भारत के 3 मिनट 02.59 सेकंड के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय टीम विश्व रैंकिंग में शीर्ष में 16 है। हालांकि, मौजूदा रैंकिंग 15 है और 29 जून की समय सीमा से पहले प्रदर्शन में सुधार करना महत्वपूर्ण है। पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में अमोज जैकब, मोहम्मद अनस, राजीव अरोकिया और नोआ निर्मल प्रमुख धावक हैं। समय में सुधार के लिए रिले दौड़ में बैटन एक्सचेंज एक अन्य महत्वपूर्ण कारक होगा। कोच ने कहा, बैटन एक्सचेंज में कोई भी गलती महंगी साबित हो सकती है। पटियाला में 25 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान कोर ग्रुप के खिलाड़ियों को अपनी रैंकिंग सुधारने का एक और मौका मिलेगा।

रोनाल्डो ने प्रैस वार्ता में टेबल से हटाई कोका-कोला, कंपनी को हुआ इतने हजार करोड़ का नुकसान

(एजेंसी)।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने हंगरी के खिलाफ 2 गोल करके अपनी टीम को 3-0 से जीत दिलाई। इसके साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में सर्वाधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बन गए हैं। लेकिन वह अपने इस रिकॉर्ड के लिए नहीं बल्कि किसी और वजह से दुनिया की तमाम मीडिया की सुर्खियों में बने हुए हैं। हंगरी के खिलाफ मैच से पहले प्रैस कॉन्फ्रैंस के दौरान रोनाल्डो ने कुछ ऐसा कर दिया जिससे वह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे। दरअसल मैच से पहले प्रैस कॉन्फ्रैंस के लिए आए रोनाल्डो के सामने 2 कोका-कोला और एक पानी की बोतल सामने रखी हुई थी। लेकिन रोनाल्डो ने कोका-कोला की बोतल को उठाकर साईड पर रखा दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने पानी की बोतल उठाई और मीडियाकर्मियों को कोका-कोला पीने की बजाय पानी पीने की सलाह दी। पुर्तगाल के इस दिग्गज खिलाड़ी ने दुनिया को पानी की बोतल उठाकर ड्रिंक वाटर का संदेश दिया। देखते ही देखते उनकी यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की जाने लगी। लेकिन वहीं रोनाल्डो के कोका-कोला की बोतल हटाने के बाद और ड्रिंक वाटर के संदेश बाद कंपनी को काफी नुकसान उठाना पड़ा। रोनाल्डो के ऐसा करने से कोका कोला कंपनी के शेयर 1.6 प्रतिशत तक गिर गए। जिससे कंपनी का मार्केट वैल्यू 242 अरब डॉलर से 238 अरब डॉलर पर पहुंच गई। महज रोनाल्डो के बोतल हटाने से ही कंपनी को 29 हजार 300 करोड़ रूपए का नुकसान हो गया है।

न्यूजीलैंड को फायदा लेकिन हम मानसिक रूप से तैयार : रहाणे

साउथम्पटन (एजेंसी)।

भारतीय टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को स्वीकार किया कि न्यूजीलैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट खेलने से फायदा पहुंचा है, लेकिन टीम इंडिया मानसिक रूप से खिताबी मुकाबले के लिए तैयार है। रहाणे ने कहा, न्यूजीलैंड की टीम बेहतर है। हम उन्हें हल्के में नहीं ले सकते हैं। कीवी टीम ने फाइनल मैच से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट खेले जिसका उन्हें फायदा मिलेगा। लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि फाइनल मुकाबले में जो टीम पांच दिन अच्छा खेलेगी उसकी उम्मीद ज्यादा होगी। भारतीय टीम को फाइनल मुकाबले से पहले अभ्यास मैच का मौका नहीं मिला लेकिन उसे कुछ अभ्यास सीजन मिले। रहाणे ने कहा, मेरे ख्याल से यह मानसिक चीज है, अगर आप मानसिक रूप से स्विच करेंगे तो चीजों में जल्द ही ढल जाएंगे। यह सिर्फ एक मैच है लेकिन हम चाहते हैं कि इसे अन्य खेल की तरह लिया जाए और इस बारे में विचार नहीं करें कि यह फाइनल है। हम अपने ऊपर ज्यादा दबाव नहीं बढ़ाना चाहते हैं। हमारे लिए अच्छी शुरूआत करना महत्वपूर्ण है। उपकप्तान ने कहा, मैं युवा खिलाड़ियों से कुछ नहीं कहता हूं। उन्हें अपने गेम प्लान के बारे में पता है और इन्होंने पिछले एक साल में सवश्रेष्ठ क्रिकेट खेला है। ये सभी एक दूसरे के साथ रहते हैं और इनको खुद पर भरोसा है। हमें भी इनकी क्षमता पर भरोसा है और हम लोग इन्हें इनका खेल खेलने की इजाजत देते हैं। रहाणे ने कहा, हम किसी तरह का भ्रांति नहीं रखना चाहते। हम लोग एक टीम की तरह खेलते हैं और किसी को कुछ नहीं कहते। हम चाहते हैं कि युवा खिलाड़ी भयमुक्त होकर स्वतंत्रता से खेलें।

संक्षिप्त समाचार

बोपन्ना-शरण दूसरी वरीय जोड़ी को हराकर नोवेंटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में

हाले (जर्मनी). भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और दिविज शरण की जोड़ी ने बुधवार को यहां लुकास कुबोट और एडोआर्ड रोजर वासेलिन की दूसरी वरीय जोड़ी को हराकर नोवेंटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और शरण ने यूरो 1455925 टूर्नामेंट के युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में पोलैंड और फ्रांस के खिलाड़ी की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। बोपन्ना (38) और शरण (75) बतौर टीम टोक्यो ओलंपिक के लिए कट हासिल करने का इंतजार कर रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक के लिए प्रवेश के लिए कट ऑफ तारीख 14 जून को उनकी रैंकिंग 113 थी जिससे उन्हें कई देशों के खिलाड़ियों के हटने का इंतजार करना होगा।

टेस्ट रैंकिंग : स्मिथ बने नंबर-1, कोहली चौथे नंबर पर पहुंचे

दुबई। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले बुधवार को जारी आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में भारतीय कप्तान विराट कोहली को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। हालांकि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने अपना नंबर वन का स्थान गंवा दिया है और आस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने उनकी जगह ले ली है। स्मिथ 891 अंकों के साथ टेस्ट में नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं, जबकि विलियमसन अब 886 अंकों के साथ नंबर दो पर लुढ़क गए हैं। कोहली ने 814 अंकों के साथ इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को नंबर चार से हटा दिया है और वह खुद इस स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट अब 797 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। कोहली के अलावा टॉप-10 में दो और भारतीय बल्लेबाज शामिल हैं, इनमें विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और रोहित शर्मा 747 अंकों के साथ संयुक्त रूप से छठे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की सूची में रविचंद्रन अश्विन टॉप-10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज है, जोकि 850 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस 908 अंकों के साथ पहले नंबर पर हैं। आलराउंडरों की रैंकिंग में रवींद्र जडेजा (386 अंक) और अश्विन (353 अंक) क्रमश = दूसरे और चौथे नंबर पर है। वेस्टइंडीज के आलराउंडर जेसन होल्डर 412 अंकों के साथ टॉप पर है।

पंजाब में कोरोना के मामले कम होने के बाद खोले स्टेडियम

चंडीगढ़। देशभर में अब कोरोना के मामलों में कमी देखने को मिल रही है। वहीं पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी ने कोविड-19 के नए मामलों की संख्या में तेजी से गिरावट के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए राज्य भर में सभी स्टेडियम खोलने का बुधवार को निर्देश दिया। सोढ़ी ने कहा कि सरकार ने फैसला किया है कि टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों को ओपन स्टेडियम में अभ्यास करने की छूट दी जानी चाहिए, क्योंकि पूरे राज्य में कोरोना वायरस के मामले कम हो रहे हैं। मंत्री ने कहा, खिलाड़ियों और कोचों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी जिला खेल अधिकारियों को पत्र भी जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रखने के लिए अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। विशेष सचिव डी.पी.एस. खरबंदा ने कहा कि जिला खेल अधिकारियों को सभी कोविड प्रोटोकॉल सुनिश्चित करते हुए स्टेडियम खोलने की व्यवस्था पूरी करने को कहा गया है।

वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

कमिंस, मैक्सवेल सहित सात खिलाड़ी दौरे से बाहर

सिडनी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए अपनी 20 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इनमें से 18 खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं, जबकि दो खिलाड़ियों को रिजर्व प्लेयर्स के रूप में टीम में जगह दी गई है। वहीं, सात खिलाड़ियों ने इन दोनों देशों के दौरे पर जाने से इंकार कर दिया है। इन दोनो दौरों से उपकप्तान पैट कमिंस, ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, ओपनर डेविड वार्नर, पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ, ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के अलावा झाय रिचर्डसन और केन रिचर्डसन ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। वहीं टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि टी20 विश्व कप से पहले इन खिलाड़ियों का टीम से बाहर रहना अच्छे संकेत नहीं है। इसमें स्टीव स्मिथ ने कोहनी की चोट के कारण दौरे पर नहीं जाने का फैसला किया है, जबकि सीए ने जो सूची जारी की है, उसमें 6 अन्य खिलाड़ियों ने अलग-अलग कारणों से वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के दौरे के लिए अपने को उपलब्ध नहीं बताया है। ऑलराउंडर डैनियल सैम्स, जो भारत में आइपीएल के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे, उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस दौरे से अपना नाम वापस लिया है। वहीं दूसरी ओर मुख्य चयनकर्ता ट्रेवर होन्स ने अपने एक बयान में कहा, हम स्वाभाविक रूप से निराश हैं कि इस समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सभी खिलाड़ी उपलब्ध नहीं हैं, हालांकि एनएसपी (राष्ट्रीय चयन पैनल) उन लोगों के फैसलों का सम्मान करता है जिन्होंने इस दौरे से बाहर होने का विकल्प लिया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है

आरोन फिंच (कप्तान), एस्टन एगर, बेस एगर, जेसन बेहरनडॉर्फ, एलेक्स कैरी, डैन क्रिस्चियन, जोश हेजलवुड, मोइजेज हेनरिक्स, मिचेल मार्श, बेन मैकडरमोट, रिले मेरेडिथ, जोश फिलिपी, मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेप्सन, एस्टन टर्नर, एंड्रयू टाय, मैथ्यू वेड और एडम जैम्पा।

रिजर्व खिलाड़ियों में नाथन एलिस और तनवीर संघा को चुना है।

आईएसएल में सात भारतीयों को एकादश में उतारना प्रोत्साहित करने वाला कदम : बच्चन

मुंबई। चेन्नईयन एफसी के सह मालिक अभिषेक बच्चन का कहना है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आने वाले सीजन में सात भारतीय खिलाड़ियों को अंतिम एकादश में खेलाने का फैसला करना स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने वाला कदम है। आईएसएल के आयोजक फुटबॉल स्पोर्टस डेवलपमेंट लिमिटेड ने हाल ही में खिलाड़ियों के लिए चयन के नए दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसके अनुसार, आईएसएल के आने वाले सत्र में एकादश में भारतीय खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर छह से सात कर दी गई थी। अब चार विदेशी खिलाड़ी ही एकादश में चुने जा सकेंगे। बच्चन ने कहा, यह आश्चर्यजनक नहीं है, यह ऐसा है जिसे आईएसएल हमेशा करना चाहता था। यह इसलिए किया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा भारतीय टैलेंट को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले। मुझे खुशी है कि यह निर्णय लिया गया क्योंकि इससे स्थानीय खिलाड़ी प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा, भारतीय खिलाड़ी हमेशा जलवा बिखेरना चाहते हैं। मौजूदा भारतीय फुटबॉल टीम जो फिलहाल विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए दोहा में है उसमें कई युवा खिलाड़ी हैं। यह काफी प्रोत्साहित करता है। चेन्नईयन के लालियानजुआला छंगटे और अनिरूद्ध थापा उन युवा खिलाड़ियों में शामिल हैं जो फिलहाल भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

गुजरात में लागू हुआ लव जिहाद कानून, संशोधन कर बनाया सख्त

अहमदाबाद।

गुजरात में बुधवार से धर्म स्वतंत्रता सुधार कानून (लव-जिहाद) लागू हो गया है। प्रदेश में अब किसी भी तरह से छल, बल, लालच अथवा बहला फुसलाकर कर किसी युवती से विवाह कर उसका धर्म परिवर्तन कराना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे व्यक्तिको ५ साल तक की सजा हो सकती है वहीं इसमें मदद करने वालों को १० साल तक की सजा का प्रावधान है। युवती नाबालिग होने अथवा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय से होने पर ७ साल तक की सजा का प्रावधान है। गुजरात सरकार ने पिछले मानसून सत्र में गुजरात धर्म स्वतंत्रता सुधार अधिनियम २०२१ पारित किया था जिसे राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पिछले महीने अपनी मंजूरी दे दी थी। राज्यपाल ने लव जिहाद कानून सहित अब तक इस सरकार के करीब १५ कानूनों को अपनी स्वीकृति दे चुके हैं।

गुजरात सरकार ने युवतियों का धर्म परिवर्तन कराने के लिए विवाह करने अथवा विवाह के लिए धर्म परिवर्तन करने को अवैध बना दिया है। इस तरह छल बल अथवा प्रभाव में लेकर बहला-फुसलाकर किसी युवती से विवाह कर उसके धर्म का परिवर्तन कराने वाले को ५ साल तक की सजा हो सकती जबकि लड़की नाबालिग होने अथवा एससी एसटी वर्ग से होने पर ७ साल तक की सजा का प्रावधान है।

इस तरह के विवाह की शिकायत माता-पिता रक्त संबंधी अथवा पीड़ताि

के परिवार का कोई भी सदस्य अथवा रिश्तेदार शिकायत कर सकेगा। विवाह में मदद करने वाले व्यक्ति तथा संस्थाओं को भी इस कानून के तहत दोषी माना जाएगा तथा विवाह कराने वाली संस्था के पदाधिकारी को १० साल तक की भी सजा हो सकती है। सरकार ने लव जि हाद कानून को बहुत सख्त बनाते हुए धर्म परिवर्तन कराने के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया है। धर्म परिवर्तन के लिए किसी युवती से विवाह करना तथा विवाह के लिए धर्म परिवर्तन दोनों को ही अपराध माना जाएगा। लव जिहाद कानून अब गुजरात धर्म स्वतंत्रता सुधार अधिनियम २०२१ के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले गुजरात धर्म स्वतंत्रता विधायक २००३ अस्तित्व में था लेकिन सरकार ने इस कानून में संशोधन कर इसे और भी सख्त बना दिया है जिससे धर्म परिवर्तन कराना अब बहुत मुश्किल होगा।

एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लिंबायत पुलिस स्टेशन के पीएसआई का सम्मान किया गया

सूरत भूमि ,सूरत। लिंबायत विस्तार में आए लिंबायत पुलिस स्टेशन में कार्यरत पी एस आई हरपाल सिंह मसानी जी का स्वागत एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा किया गया इस अवसर पर एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान, मुस्तफा भाई, दिनेश भाई, राजीक भाई ,नजीम भाई ,विकास भाई पाटिल उपस्थित थे एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान ने कहा कि पुलिस अपने स्वास्थ्य की चिंता ना करते हुए इस कोविड-19 जैसी महामारी में जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रही है और लिंबायत पुलिस स्टेशन केपीएसआई हरपाल सिंह मसानी जी की तरह का अधिकारी और पुलिस स्टेशन में होना चाहिए इसलिए उनकी संस्था द्वारा उनका सम्मान किया गया।

खाता धारक की नकली सही करके लाखों का चूना लगाया

वलसाड

वलसाड की पोस्ट ऑफिस में पैसा जमा कराने वाले खाता धारकों को पोस्ट के ही एक कर्मचारी ने लाखों का चुना लगाया है। पोस्ट ऑफिस के एक घोटालेबाज कर्मचारी ने खाता धारकों के खाते में रुपया जमा करने के बदले खुद ही बाहर ही बाहर खाताधारक की नकली सही करके और लाखों रुपये का चूना लगाने की शिकायत वलसाड सिटी पुलिस स्टेशन में दर्ज होने पर सनसनी मच गई। शिकायत दर्ज होने पर सिटी पुलिस और पोस्ट विभाग ने भी जांच शुरू की। जिसमें वलसाड पोस्ट ऑफिस में क्लर्क के तौर पर ड्यूटी करते सुनील चावडा नाम के एक कर्मचारी ने कई खातेधारकों के खाते से बाहर ही बाहर रुपया चुना लगाकर पोस्ट ऑफिस में खाता वाले कई खाताधारकों के साथ लाखों की धोखाधड़ी करने का घोटाला सामने आया है।

शिकायत दर्ज होने के कुछ ही देर में वलसाड सिटी पुलिस ने घोटालेबाज पोस्ट कर्मचारी को गिरफ्तार करके जेल में भेज दिया है। आरोपी सुनील चावडा, वलसाड की मुख्य ऑफिस का कर्मचारी है। सामान्य रूप से, इस व्यक्ति का काम पोस्ट बचत के पैसा सुरक्षित तरीके से जमा करना और उनके खाता की अवधि पूरी हो तब खातेधारकों को उनका पैसा सुरक्षित रूप से वापस करना है। लेकिन अपने सरकारी वेतन से भी ज्यादा कमाने की लालच

सुनील के मन में जागी थी और इसी वजह से आज इसे जेल की हवा खानी पड़ी है। सुनील चावडा ने अपने पोस्ट ऑफिस में लंबे समय तक किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ हो ऐसे खाते में जमा रही रकम बाहर ही बाहर खुद ही निकाल लिया। आश्चर्य की बात है कि सुनील चावडा ने खाताधारकों की नकली सही भी खुद ही कर लिया। हालांकि सुनील चावडा की पोल अचानक खुल गई थी। एक खाताधारक ने अपने विभाग की जांच करने पर इसमें से बड़ी रकम गायब हो गई इसने पोस्ट के उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायत की थी। जिसकी वजह से जांच करने पर पूरा मामला सामने आया है। पूरे मामले में पोस्ट के उच्च अधिकारी ने वलसाड सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी।

डॉक्टर की पत्नी ने पंखे पर लटककर आत्महत्या की

विवाहिता की अर्धनग्न तस्वीर भेजकर युवक अश्लील मांगे करने की वजह से परेशान होकर महिला ने आत्महत्या की

अहमदाबाद

डॉक्टर की पत्नी ने पंखे पर लटकर आत्महत्या कर ली तब पालीताणा का एक युवक अपने मोबाइल में अर्धनग्न फोटोग्राफ्स भेज कर वाट्सएप कॉल और विडियो कॉल करते होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डॉक्टर की पत्नी ने युवक की अश्लील मांगे करने की वजह से परेशान होकर गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिस मामले में सरखेज पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। भावनगर जिले के पालीताणा में रहते एक युवक ने सरखेज पुलिस स्टेशन में पालीताणा के इरफ्रान मेतर के विरूद्ध आत्महत्या की उकसाने की शिकायत की है। युवक की बहन के सात वर्ष पहले एक डॉक्टर के साथ शादी हुई थी जिसमें दोनों लोग पालीताणा में रहते थे। जहां इसने दो बेटे को जन्म दिया था। पालीताणा में रहने के बाद जोड़ा दो बेटे के साथ अहमदाबाद के जुहापुरा में रहने आ गये थे। युवती के पति ने नवरंगपुरा में अपना क्लिनिक खोला। जहां वह समय पर मौजूद रहते थे। परिवार का जीवन सुखमय तरीके से गुजर रहा था तब पालीताणा के इरफ्रान मेतर नाम के युवक ने पूरे परिवार को तहसनहस कर दिया। २ जून को डॉक्टर अपने क्लिनिक पर गये थे

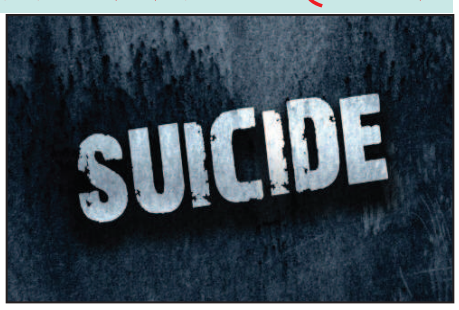

तब युवती ने अपने बेडरुम में गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शाम को डॉक्टर घर पर पहुंचा तब घर का दरवाजा बड़े बेटे ने खोला था और मम्मी कहां है यह पूछा। पिता की बात सुनने पर बेटे ने जबाव दिया कि. मम्मी अंदर के रुम में है और अंदर से दरवाजा खोलती नहीं है। डाक्टर ने जोरशोर से आवाज लगाया लेकिन युवती ने दरवाजा नहीं खोलने पर वह टेंशन में आ गया और आसपास के लोगों को बुला दिया और कैसे भी करके दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलने के साथ युवती पंखे पर लटकती देखने को मिली थी। युवती को खेंच की बीमारी से पीड़ित होने का समझकर डॉक्टर ने और उनके परिवार को कोई कार्रवाई की नहीं और अंतिम विधि कर दी।

लुटेरी दुल्हन ने युवक के साथ तीन लाख की धोखाधड़ी की

युवती ने पहले दो युवकों के साथ शादी करके धोखाधड़ी किए जाने का मालूम होने पर युवक ने शिकायत की

अहमदाबाद

शहर के पूर्व क्षेत्र में सात लोगों के खिलाफ शादी करके तीन लाख की धोखाधड़ी करने पर शिकायत दर्ज की गई है। माणसा में रहता एक ३८ वर्षीय युवक योग्य पात्र की खोज में था। तब इसके पिता के एक परिचित व्यक्ति ने एक महिला के साथ संपर्क करा दिया था। यह महिला दास्तान सर्कल के पास रहती सोनल नाम की युवती के साथ एक वकील के वहां शादी करा दिया था। बाद में युवती को माइके में ले जाने के लिए कहकर युवती सहित के लोग फरार हो गये। शादी के समय सोनल नाम की युवती की भाभी के तहत पहचान बताने वाली महिला को ढाई लाख यह युवक ने दिया था। लेकिन बाद में पत्नी वापस नहीं आने पर इसने जानने को मिला कि, इसकी पत्नी ने पहले दो भी दो लोगों के साथ शादी करके धोखाधड़ी की थी। गांधीनगर के माणसा में रहते ३८ वर्षीय युवक अपने परिवार के साथ रहता है और एक ज्वेलर्स की दुकान में सोनी काम करके परिवार का गुजारा चलाता है। यह व्यक्ति की शादी के लिए उनके परिजन समाज में कन्या की खोज में थे। लेकिन उनके लिए कोई कन्या नहीं मिलने पर उनके पिता ने परिचित मुकेशभाई का संपर्क किया। यह मुकेशभाई अंबाजी में रहते होने से उन्होंने बात करने पर उन्होंने लक्ष्मीबहन सिंघी का नंबर दिया था और बताया कि, यह बहन किसी परिचित लड़कियों के संपर्क करके शादी करा देती है। जिसकी वजह से डेढ़ महीने पहले लक्ष्मीबहन सिंधी का संपर्क उन्होंने किया। लक्ष्मीबहन ने यह युवक के पिता को बताया कि, सोनल पंचाल नाम की एक गरीब घर की और संस्कारी बेटी है। जिसका संपर्क करने के लिए यह युवक को अपने परिजनों के साथ नरोडा दास्तान सर्कल में बुलाया था। वहां लक्ष्मीबहन और इसके साथ विजय नाम का एक व्यक्ति आया था। बाद में लड़की का घर देखने के लिए ले जाए यह कहकर

दास्तान सर्कल के पास स्थित सात मंजिल फ्लैट में उनको वहां ले गये। वहां सोनल नाम की लड़की बताई थी। बाद में युवक के साथ बातचीत करने पर दोनों एक-दूसरे को पसंद आये और सोनल ने शादी करने के लिए हां कर दिया। १४ मई को गोमतीपुर में एक वकील की ऑफिस में दोनों पक्षों को बुलाया। जहां यह युवक और सोनल की शादी कराई गई थी।

१५४ किलो गांजे के साथ नशे के सौदागर गिरफ्तार

अहमदाबाद

'उड़ता गुजरात' का और एक सबूत पुलिस चोपडे में दर्ज हुआ है। अहमदाबाद ग्रामीण एसओजी ने १५४ किलो गांजा के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से २०.५९ लाख का मालसामान जब्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि ओडिशा से एक हजार किलो गांजा राजस्थान और गुजरात में आये होने की पुलिस को जानकारी मिली थी हालांकि इतनी मात्रा आने की संभावना हो सकती है यह पुलिस मान रही है। अहमदाबाद जिला पुलिस प्रमुख विरेन्द्रसिंह यादव की ग्रामीण एसओजी की टीम के पीआई डीएन. पटेल और एलसीबी पीआई आरजी. खांट की टीम को गांजा के नेटवर्क की जानकारी मिली थी। पुलिस ने यह मामले में टीम बनाकर आरोपियों को १५४ किलो गांजा के जत्थे के साथ गिरफ्तार किया गया है। ग्रामीण पुलिस की कस्टडी में रहा अमित वाघेला जो मूल साणंद के चेखला गांव का है। इसके साथ अन्य पारसमल गुजर, दिपक सोमाणी, गोविंद जोशी, राजू माल्या को गिरफ्तार किया गया है। यह सभी मूल राजस्थान के निवासी है। १५४ किलो गांजा का जत्था आरोपी पारस मल गुजर ने प्रतिकिलो ४ हजार की कीमत पर फरार आरोपी भवरलाल तेइली से लिया था और पारस मल ने ५ हजार प्रति किलो की कीमत पर दिपक सोमाणी को दिया था। दीपक ने आरोपी राजू को ६ हजार प्रति किलो की कीमत पर दिया था। बाद में राजू ने अमित को यह माल ९ हजार प्रति किलो की कीमत पर दिया था और अमित यह माल खुदरा बिक्री करता था। आरोपी पारस मल छह सात महीने से गांजा की हेराफेरी से जुड़ा हुआ है। पांच दिन पहले यह माल आरोपियों की मदद से ट्रांसपोर्टेशन के वाहनों के द्वारा साणंद के चेखला गांव में अमित की मदद से बेचने के लिए लाया था। अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ओडिशा से फरार मुख्य आरोपी भंवरलाल तैली ने एक हजार किलो गांजा का जत्था मंगवाया था और यह सभी एक हजार किलो गांजा राजस्थान और गुजरात के अहमदाबाद, खेरालू, सुरेन्द्रनगर सहित के इलाकों में बेचा है अब पुलिस फिलहाल जांच कर रही है।

शहर की २० वर्षीय युवती का अमेरिकन नौसेना में चयन

युवती अमेरिकन सशस्त्र बल में काम करेगी, गुज्जू गर्ल को पायलट बनना है : २०१५ में अमेरिका गई थी

सूरत

अहमदाबाद में जन्मी और पली बढ़ी २० वर्ष की नेत्री पटेल अमेरिका की नौसेना में नाविक है और अब वह फाइटर पायलट बनने का सपना पूरा करने की तैयारी कर रही है। अहमदाबाद की पालडी और बोपल में स्थित स्कूल में पढ़ाई करने के बाद, नेत्री ने इसके मां-पिता डोली और निरव के साथ २०१५ में अमेरिका मिसिसिपी राज्य के कोलम्बस में २०१५ में स्थानांतरण किया गया। हमें गर्व है कि हमारी बेटी और गुजराती लड़की अमेरिका के नौसेना में काम करेगी। लड़की होने पर भी इसने १० सप्ताह की ट्रेनिंग पूरी की थी और चयन हुआ था, यह निरव ने बताया। नेत्री ने अपनी ट्रेनिंग पूरी की थी और शुक्रवार को अपनी ग्रेज्यूएशन समारोह आयोजित हुई थी। यह शिकागो में आगे की ट्रेनिंग लेगी। नेत्री अब

अधिकारी बनने की तरफ आगे बढ़ेगी। इसका उद्देश्य पायलट बनना है, यह निरव ने बताया। उन्होंने बताया कि, नेत्री दिसंबर २०२० में बूट केम्प के लिए सिलेक्ट हुई थी और सफलतापूर्वक १० सप्ताह की ट्रेनिंग पूरी की थी। इसने कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की है क्योंकि नौसेना में इसकी आगे की प्रशिक्षण जारी रहेगी। नेत्री ने हमेशा से पायलट बनने का सपना देखती थी और इसके लिए यह तैयारी भी करती थी। स्कूल पूरा होने के बाद अंडरग्रेज्यूएट कोर्स में वह कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करती थी यह निरव ने आगे बताया। पटेल परिवार मूल नवसारी जिले के चीखली तहसील के वांझणा गांव का निवासी है। हालांकि, वह दशकों पहले अहमदाबाद में स्थाई हुई थी। निरव कोलम्बस में मोटेल बिजनेस चलाता है। गुजराती परिवार होने के तहत नेत्री को सशस्त्र बल में ट्रेनिंग के लिए जाने की मंजूरी देना यह कठिन निर्णय था। लेकिन इसने अपनी क्षमता साबित करके बताई। यह तेजस्वी विद्यार्थिनी भी है।

भावनगर में सेक्स रैकेट पर छापेमारी में पांच गिरफ्तार

कुंभारवाडा में गैरकानूनी देहव्यापार चलाते एक महिला, दलाल और तीन ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया

भावनगर

भावनगर के कुंभारवाडा नारी रोड क्षेत्र में चल रहा सेक्स रैकेट पर एएसपी सफीन हसन ने छापेमारी करके गैरकानूनी देहव्यापार चलाते एक महिला, दलाल और ३ ग्राहकों सहित ५ को गिरफ्तार किया गया। कुंभारवाडा नारी रोड पर सेक्स रैकेट चल रहे होने की एएसपी सफीन हसन को जानकारी मिली थी, जिसकी जांच करने के लिए नकली ग्राहक तैयार करके स्थल पर भेजा गया।

जबकि जानकारी वाली जगह पर सेक्स रैकेट चल रहे होने की पुष्टि हो जाने पर एएसपी सफीन हसन ने महिला पुलिस स्टाफ को साथ में रखकर सेक्स रैकेट पर छापेमारी की गई थी तथा अनैतिक रूप से चलता देहव्यापार के धंधे को पर्दाफाश किया गया।

शहर के बोरतालाब पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित कुंभारवाडा नारी रोड पर एक जर्जर मकान में देहव्यापार का धंधा चलाते होने की जानकारी के आधार पर पुलिस ने जांच करने के बाद छापेमारी करके देहव्यापार की संचालक, दलाल और ग्राहक सहित ५ को गिरफ्तार किया गया।

छापेमारी में एएसपी सफीन हसन के साथ बोरतालाब पुलिस स्टेशन के पीआई केवल रावल और महिला पुलिस स्टाफ शामिल हुई। सेक्स रैकेट मामले में पुलिस द्वारा जांच किए जाने पर चित्रा क्षेत्र में रहता इमरान अहमदभाई मकवाणा नाम का यह व्यक्ति कुंभारवाडा क्षेत्र में स्थित अपने भाई के मकान में सेक्स रैकेट चलाते होने का पर्दाफाश हुआ था, जबकि इलाबा विक्रमसिंह जाडेजा कमिशन पर युवतियां सप्लाई करती थी।

जबकि ग्राहकों में एयरपोर्ट क्षेत्र में रहता भगत शिवसिंह दसाणा, कालीयाबीड के रणजीतसिंह हरिसिंह परमार और धोघा जकातनाका क्षेत्र में दीपक जयंति कटारिया सहित को पुलिस ने गिरफ्तार करके कार्रवाई शुरू कर दी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)